मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 123
शुक्रवार, 14 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

बिहार की सत्ता का फाइनल फैसला आज

एनडीए या महागठबंधन, किसके सिर सजेगा ताज

पटना, 13 नवम्बर। बिहार विधानसभा चुनाव की मतगणना के लिए राज्य तैयार है, जहाँ नीतीश कुमार के दो दशक के शासन की निरंतरता या तेजस्वी यादव की पहली बड़ी चुनावी जीत का फैसला होगा। एग्जिट पोल भले ही एनडीए के पक्ष में बड़ी जीत का अनुमान लगा रहे हैं, लेकिन महागठबंधन ने इन दावों को खारिज करते हुए अपनी बहुमत का भरोसा जताया है, जिसके चलते मतगणना केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और राजनीतिक सरगर्मी तेज है।

क्या बिहार में नीतीश कुमार का दो दशक पुराना शासन जारी रहेगा, या राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव पार्टी की कमान संभालने के बाद अपनी पहली बड़ी चुनावी जीत हासिल करेंगे? इसका जवाब शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों के साथ ही मिल जाएगा, जिस पर सभी की निगाहें टिकी हैं। भाजपा, जदयू और लोजपा (रामविलास) वाला राजग एक और कार्यकाल के लिए सत्ता में आने की उम्मीद कर रहा है, जबकि विपक्षी दल महागठबंधन - जिसमें राजद, कांग्रेस और वामपंथी दल प्रमुख घटक हैं - अगली सरकार बनाने की उम्मीद कर रहा है। 2020 के बिहार चुनाव में जब नीतीश कुमार ने मामूली बहुमत के साथ सरकार बनाई थी, तब तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले गठबंधन को 12,000 से कुछ अधिक वोटों की कमी खली थी। इस चुनाव में प्रशांत किशोर भी एक बड़े फैक्टर हैं।

दोनों चरणों में 38 जिलों के 7.4 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं ने 2,616 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करने के लिए वोट डाले। बिहार में ऐतिहासिक 67.13% मतदान हुआ - जो 1951 के बाद से सबसे ज्यादा है। उल्लेखनीय है कि महिला मतदाताओं की भागीदारी 71.78% रही, जो पुरुष मतदाताओं के 62.98% मतदान से कहीं ज्यादा थी। फिलहाल पूरे राज्य में निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या बिहार में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रिकॉर्ड पांचवां कार्यकाल हासिल कर पाएंगे। निर्वाचन आयोग के अनुसार, राज्य के 38 जिलों में बनाए गए कुल 46 काउंटिंग सेंटरों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। छह और 11 नवंबर को दो चरणों में हुए चुनाव में 7.45 करोड़ मतदाताओं ने 2,616 उम्मीदवारों का भाग्य तय किया था। आयोग के बयान के मुताबिक, ईवीएम और वीवीपैट मशीनों को मजबूत कमरों में दोहरे ताले की प्रणाली के तहत सुरक्षित रखा गया है और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जा रही है। मतगणना केंद्रों पर दो-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू है, जिसमें भीतरी घेरा केंद्रीय अर्धसैनिक बलों और बाहरी घेरा राज्य पुलिस के जिम्मे है। सभी मजबूत कमरे परिसरों में नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं जिनमें वरिष्ठ जिला अधिकारी तैनात रहेंगे और संबंधित जिलों के सभी जिला चुनाव पदाधिकारियों तथा रिटर्निंग अधिकारियों को बार-बार निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। लगभग सभी एग्जिट पोल ने जनता दल (यूनाइटेड) और भाजपा के गठबंधन राजग की बड़ी जीत का अनुमान लगाया है। तेजस्वी यादव ने इन अनुमानों को खारिज करते हुए कहा है कि महागठबंधन बड़ी बहुमत से सरकार बनाएगा।

भूपेश बघेल को झटका, शराब घोटाले में बेटे चैतन्य की 61 करोड़ की संपत्ति ईडी ने की कुर्क

छत्तीसगढ़, 13 नवम्बर। प्रवर्तन निदेशालय ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की चल रही जाँच के सिलसिले में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की 61.20 करोड़ रुपये की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क कर ली है। कुर्क की गई संपत्तियों में 59.96 करोड़ रुपये मूल्य के 364 आवासीय भूखंडों और कृषि भूमि के रूप में अचल संपत्तियाँ, साथ ही बैंक बैलेंस और सावधि जमा के रूप में 1.24 करोड़ रुपये मूल्य की चल संपत्तियाँ शामिल हैं। ये संपत्तियाँ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत जब्त की गईं।61.20 करोड़ रुपये की वर्तमान कुर्की, लगभग 215 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियों की पूर्व की कुर्कियों के क्रम में है। ईडी के छत्तीसगढ़ जोनल कार्यालय ने 10 नवंबर को इन संपत्तियों को जब्त कर लिया, जो राज्य में शराब घोटाले में भारतीय दंड संहिता, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत छत्तीसगढ़ की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा और आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी के आधार पर शुरू की गई जांच के हिस्से के रूप में थी।एजेंसी ने एक बयान में कहा कि पुलिस जांच से पता चला है कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले के कारण राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ और अनुसूचित अपराधों के कमीशन से उत्पन्न 2500 करोड़ रुपये से अधिक की अपराध आय (पीओसी) से लाभार्थियों की जेबें भर गईं। ईडी ने अपने बयान में कहा, ‟पीएमएलए के तहत की गई जाँच से पता चला है कि भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल शराब सिंडिकेट के शीर्ष पर थे।

मुख्यमंत्री के बेटे होने के नाते, उन्हें शराब सिंडिकेट का नियंत्रक और सर्वोच्च अधिकारी बनाया गया था। सिंडिकेट द्वारा एकत्र किए गए सभी अवैध धन का ‟हिसाब‟ (हिसाब) रखने की ज़िम्मेदारी उन्हीं की थी। ऐसे धन के संग्रह, चैनलाइजेशन और वितरण (पीओसी) से संबंधित सभी बड़े फैसले उनके निर्देशों के तहत लिए जाते थे।

येदियुरप्पा को झटका, कर्नाटक हाईकोर्ट ने पोक्सो केस रद्द करने से किया इनकार, चलेगा मुकदमा

कर्नाटक, 13 नवम्बर। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) मामले में पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को संज्ञान लेने और समन जारी करने के निचली अदालत के आदेश को बरकरार रखा है। मुकदमे को आगे बढ़ने की अनुमति देते हुए, उच्च न्यायालय ने निचली अदालत को निर्देश दिया कि वह येदियुरप्पा की व्यक्तिगत उपस्थिति पर तब तक जोर न दे जब तक कि किसी भी स्तर पर यह आवश्यक न हो। साथ ही, अदालत से यह भी कहा कि वह उनकी ओर से दायर किसी भी छूट आवेदन पर विचार करे, सिवाय इसके कि जब कार्यवाही के लिए उनकी उपस्थिति आवश्यक समझी जाए। उच्च न्यायालय ने आगे स्पष्ट किया कि निचली अदालत को याचिकाओं पर उच्च न्यायालय के आदेशों में की गई टिप्पणियों से प्रभावित हुए बिना, मुकदमे के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर ही मामले का निर्णय करना चाहिए। न्यायालय ने कहा कि याचिकाकर्ता ट्रायल कोर्ट के समक्ष सभी स्वीकार्य आवेदन प्रस्तुत करने के लिए स्वतंत्र हैं, जिसमें आरोपमुक्त करने की याचिका भी शामिल है। यह मामला एक नाबालिग की माँ ने दायर किया था, जिसने आरोप लगाया था कि येदियुरप्पा ने 2 फरवरी, 2024 को अपने बेंगलुरु स्थित आवास पर एक बैठक के दौरान उसकी बेटी से छेड़छाड़ की थी। महिला और उसकी बेटी, यौन उत्पीड़न (बेटी पर) के एक पूर्व मामले और अन्य मुद्दों में न्याय पाने के लिए कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री से मिलने गई थीं। बाद में स्वास्थ्य समस्याओं के कारण माँ की मृत्यु हो गई।

उद्धव ठाकरे ने अनिच्छा से किसानों से मुलाकात की, उन्हें कोई मदद नहीं दी: एकनाथ शिंदे

मुंबई, 13 नवम्बर। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को आरोप लगाया कि शिवसेना (उबाठा) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने मराठवाड़ा क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित किसानों से बेमन से मुलाकात की और उन्हें कोई मदद नहीं दी। परभणी में एक रैली को संबोधित करते हुए शिंदे ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे जब सत्ता में थे तब भी आम नागरिकों को बेहतर लाभ एवं सेवाएं मुहैया कराने में विफल रहे थे।

शिंदे ने कहा कि उनके सक्रिय होने के बाद से उनके (उद्धव) जैसे नेताओं ने दौरे शुरू कर दिए हैं। उन्होंने कहा, अगर आपके पास देने के लिए कुछ नहीं है, तो आप किसानों से मिलने क्यों गए? आप अपने साथ कम से कम बिस्कुट के कुछ पैकेट तो ले ही जा सकते थे। एक सच्चा नेता समस्याओं के समय लोगों के साथ खड़ा होता है।

उन्होंने ठाकरे के पिछले सप्ताह मराठवाड़ा क्षेत्र के दौरे का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने संकटग्रस्त किसानों से मुलाकात की थी। शुष्क मराठवाड़ा क्षेत्र बरसात में लंबे समय तक बारिश से प्रभावित रहा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में फसलें नष्ट हो गईं और घरों को भी व्यापक क्षति पहुंची। शिंदे ने अपने नेतृत्व वाली शिवसेना द्वारा किसानों को दी गई सहायता को याद किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा, हम प्रभावित किसानों के दरवाजे पर गए। उद्धव जब मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने कभी आम लोगों से मुलाकात नहीं की और अब वह सरकार को बदनाम कर रहे हैं। जब वह सत्ता में थे तो उन्होंने किसानों को कोई सहायता नहीं दी।

शिंदे ने कहा कि महायुति सरकार किसानों को ऋण माफी सहित राहत प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और उन्होंने राज्य सरकार द्वारा घोषित 32,000 करोड़ रुपये के राहत पैकेज का उल्लेख किया।

उन्होंने स्थानीय निकायों के आगामी चुनावों के दौरान महायुति सहयोगियों के खिलाफ वोटबंदी (मतदान पर प्रतिबंध) के ठाकरे के आह्वान को राजनीतिक दिखावा करार देते हुए खारिज कर दिया।

शिंदे ने कहा, कांग्रेस 2014 तक सत्ता में रहने के दौरान कई घोटालों में लिप्त रही। यह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ही थी जिसने भारत में विकास का मार्ग प्रशस्त किया। हम घोटालेबाज नहीं हैं, हम महाराष्ट्र को आगे ले जा रहे हैं।

हाई अलर्ट पर काशी : विश्वनाथ धाम की सुरक्षा बढ़ाई गई, सीपी खुद सड़कों पर उतरे

- दिल्ली ब्लास्ट के बाद नमो घाट से विश्वनाथ धाम व रेलवे सहित सभी सार्वजनिक स्थलों तक बढ़ी चौकसी, संदिग्धों की तलाश में वाराणसी पुलिस मुस्तैद
- रेलवे स्टेशन पर लगेज और पार्सल स्कैनर पर बढ़ी निगरानी

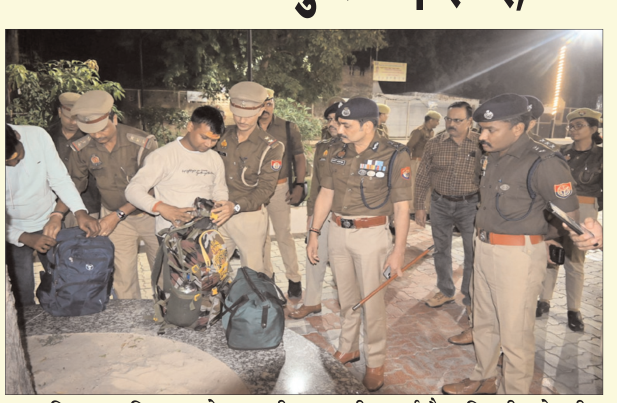

सुरेश गांधी

वाराणसी। दिल्ली में हुए धमाके के बाद काशी में सुरक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व स्तर पर कड़ी कर दी गई है। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने गुरुवार को स्वयं मोर्चा संभालते हुए नमो घाट से लेकर काशी विश्वनाथ धाम तक सुरक्षा इंतजामों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने घाटों, प्रमुख मंदिर परिसरों, पार्किंग स्थलों और मार्गों पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वस्तुओं की बारीकी से जाँच कराई।

पुलिस कमिश्नर ने काशी विश्वनाथ धाम की सुरक्षा का जायजा लेते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए। धाम क्षेत्र में प्रवेश करने वाले सभी श्रद्धालुओं और पर्यटकों की डीएफएमडी (डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर) और एचएचएमडी (हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर) से अनिवार्य जाँच की जा रही है। साथ ही, सुरक्षा घेरा और सीसीटीवी निगरानी को और मजबूत किया गया है। पुलिस ने सादे वस्त्रों में कर्मियों की विशेष ड्यूटी लगाई है ताकि भीड़ के बीच संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत नजर रखी जा सके। वाराणसी, जहाँ प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं, वहाँ सुरक्षा व्यवस्था का यह सख्त मॉडल समय की माँग है। सीपी मोहित अग्रवाल का मैदान में उतरना यह संदेश देता है कि अब सुरक्षा केवल आदेशों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत बन चुकी है। काशी विश्वनाथ धाम और नमो घाट पर कड़ी निगरानी से यह स्पष्ट है कि पुलिस अब संदेह से पहले सतर्कता की नीति पर चल रही है, यही व्यवस्था को मजबूत बनाने का असली सूत्र है। रेलवे स्टेशनों पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान जगह-जगह बैग में सामान लेकर बैठे लोगों की तलाशी लेने के साथ ही पूछताछ भी बढ़ा दी गई है। आरपीएफ के जवान लोगों से सामानों की जांच मशीन पर करवाने के बाद ही प्लेटफॉर्म पर जाने की अपील कर रहे हैं। कैंट और बनारस स्टेशन पर यात्रियों के सामान की स्कैनर की सुविधा है। यहां आरपीएफ टीम सामानों को स्कैन करती नजर आई। दूसरी ओर बनारस स्टेशन पर पार्सल स्कैन करने की कोई सुविधा नहीं है, पार्सल का काम देखने वाली कंपनी के लोग सामान का मिलान करने के बाद उसको ट्रेन की पार्सल बोगी में रखवा देते हैं।

निरीक्षण के दौरान सीपी अग्रवाल ने नमो घाट पर स्थायी पुलिस चौकी और पर्यटन पुलिस बूथ की स्थापना के आदेश दिए।

ईडी ने धन शोधन मामले में जेपी इंफ्राटेक के एमडी मनोज गौड़ को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रियल्टी कंपनी जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मनोज गौड़ को घर खरीदारों के साथ कथित धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले की जांच में गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कारोबारी को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि उनके खिलाफ जांच घर खरीदारों के साथ कथित धोखाधड़ी के मामले से संबंधित है।

विश्व मधुमेह दिवस-14 नवम्बर, 2025

मधुमेह को दवा से ही नहीं, संतुलित जीवन से परास्त करें

-ललित गर्ग

दुनिया में बढ़ती मधुमेह की भयावहता इसलिये चिन्ताजनक है कि हर तीसरा शहरी वयस्क डायबिटीज से जूझ रहा है। यह बीमारी अनेक अन्य बीमारियों को भी बढ़ाने का बड़ा कारण है। मधुमेह के बढ़ने के कारणों में मुख्यतः खानपान में अनियमितता और शारीरिक निष्क्रियता सबसे बड़ी वजह है। विश्व मधुमेह दिवस हर वर्ष 14 नवम्बर को मनाया जाता है। यह दिन प्रसिद्ध वैज्ञानिक फ्रेडरिक बैंटिंग के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है, जिन्होंने 1922 में इंसुलिन की खोज कर दुनिया को मधुमेह से राहत देने का मार्ग दिखाया। अंतरराष्ट्रीय मधुमेह संघ और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 1991 में इसकी शुरूआत की थी। इस वर्ष का थीम है मधुमेह और समग्र कल्याण। यह थीम इस तथ्य पर केंद्रित है कि मधुमेह का उपचार केवल दवाइयों से नहीं बल्कि संतुलित और स्वस्थ जीवनशैली से संभव है। मधुमेह आज एक वैश्विक स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। बदलती जीवनशैली, अनियमित भोजन, तनाव, मोटापा और शारीरिक निष्क्रियता इसके प्रमुख कारण हैं। यह बीमारी चुपचाप शरीर को भीतर से खोखला करती है और हृदय, गुर्दे, आंखों और नसों पर गहरा असर डालती है। मधुमेह को नियंत्रित करना केवल चिकित्सा का विषय नहीं, बल्कि यह जीवन जीने की एक कला है। इसके लिए सबसे पहले जीवन में संतुलन एवं सात्विक जीवनशैली की आवश्यकता होती है यानी संतुलित आहार, संतुलित नींद, संतुलित विचार और संतुलित आचरण। जीवन का यह संतुलन ही स्वास्थ्य का मूल मंत्र है। जब हम अपने जीवन को एक अनुशासन में ढालते हैं, तो रोग अपने आप दूर भागते हैं। मधुमेह आज केवल रोग नहीं, बल्कि समग्र स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है।

मधुमेह का प्रबंधन केवल दवा और आहार तक ही सीमित नहीं है; इसमें मानसिक स्वास्थ्य सहायता, तनाव प्रबंधन, जीवनशैली शिक्षा और सामुदायिक जुड़ाव भी शामिल है। इसका लक्ष्य रोगी को मधुमेह की चुनौतियों का सामना करते हुए एक स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने के लिए सशक्त बनाना है। समग्र देखभाल, शीघ्र हस्तक्षेप और सहायक वातावरण को बढ़ावा देकर, मधुमेह रोग के बजाय व्यक्ति के उपचार के महत्व पर जोर देना मधुमेह दिवस का उद्देश्य है। यह दिवस मधुमेह से पीड़ित लोगों के शारीरिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और जीवन की गुणवत्ता के बीच महत्वपूर्ण संबंध पर प्रकाश डालता है। इस वर्ष का अभियान डॉक्टरों, नीति निर्माताओं और समुदायों से आग्रह करता है कि वे केवल रक्त शर्करा के स्तर से आगे बढ़कर रोगी के संपूर्ण कल्याण पर ध्यान केंद्रित करें।

डायबिटीज जैसी घातक एवं असाध्य बीमारी को नियंत्रित करने के लिये अफवाहों से बचना जरूरी है, इसके लिये बड़ा दिल नहीं, समझदार दिल होना चाहिए। मर्यादित आहार ही, इस बीमारी को रोकने का एक सस्ता और असरदार उपाय हो सकता है। डायबिटीज (मधुमेह) की समस्या भारत समेत पूरे विश्व में तेजी से बढ़ रही है। इसके चलते हमें कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। डायबिटीज पहले अमूमन अधेड़ उम्र के लोगों में होती थी, अब यह बच्चों एवं युवकों को भी शिकंजे में ले रही है। भारत में करीब 10 करोड़ लोगों को डायबिटीज है। वहीं विश्व में 44 करोड़ लोग इससे पीड़ित है। भारत में डायबिटीज की प्रचलित दर 11.5 प्रतिशत है, जबकि प्री डायबिटीज के मामलों की दर 15.3 प्रतिशत तक पहुँच गई है , यानी देश का हर 10 में से एक व्यक्ति इस बीमारी से प्रभावित है। एक अनुमान के अनुसार 85 करोड़ लोग दुनिया भर में डायबिटीज के मरीज 2050 तक हो जाएंगे।

मधुमेह से बचने और इसे नियंत्रित करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है नियमित शारीरिक गतिविधि। सुबह-सुबह की सैर, हल्का व्यायाम, दौड़ना या साइकिल चलाना न केवल शरीर को सक्रिय रखता है बल्कि रक्त में ग्लूकोज के स्तर को भी संतुलित करता है। इसके साथ ही योग और ध्यान का अभ्यास मधुमेह के नियंत्रण में अत्यंत प्रभावी माना गया है। योग केवल शरीर को लचीला नहीं बनाता बल्कि मन को शांत करता है और तनाव को कम करता है। प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी जैसे योग अभ्यास इंसुलिन के स्राव को संतुलित करते हैं और मन को स्थिर बनाते हैं। ध्यान से मन की अस्थिरता और चंचलता कम होती है, जिससे तनाव नियंत्रित रहता है। तनाव और अवसाद मधुमेह के छिपे हुए शत्रु हैं। जब मन तनावग्रस्त होता है तो शरीर में कोर्टिसोल जैसे हार्मोन बढ़ जाते हैं, जो रक्त में शर्करा का स्तर बढ़ाते हैं। इसलिए मन को शांत और प्रसन्न रखना उतना ही आवश्यक है जितना शरीर को स्वस्थ रखना।

मधुमेह के प्रबंधन में भोजन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। खानपान में शुद्धता और संयम दोनों ही जरूरी हैं। आज के समय में फास्ट फूड, प्रोसेस्ड फूड, तले-भुने और मीठे खाद्य पदार्थों की भरमार ने लोगों के स्वास्थ्य को बिगाड़ दिया है। भोजन में सादा, ताजा और पौष्टिक आहार अपनाना ही सबसे बड़ी दवा है। साबुत अनाज, दालें, हरी सब्जियां, सलाद, फल, अंकुरित अनाज और पर्याप्त मात्रा में पानी-ये सब मिलकर शरीर को ऊर्जा तो देते ही हैं, मधुमेह को भी नियंत्रित रखते हैं। अधिक तला-भुना, मिठाई, नमक, और चाय-कॉफी जैसी चीजें सीमित मात्रा में लेनी चाहिए। समय पर भोजन करना और ओवरईटिंग से बचना भी आवश्यक है। खाना न केवल पेट भरने का माध्यम है बल्कि यह हमारे जीवन की गुणवत्ता को निर्धारित करता है। जैसा अन्न वैसा मन-यह कहावत मधुमेह के संदर्भ में बिल्कुल सत्य है।

संतुलित जीवनशैली का अर्थ केवल आहार-विहार का नियंत्रण नहीं बल्कि सकारात्मक सोच और अनुशासित दिनचर्या भी है। जो व्यक्ति अपने दिन का एक निश्चित समय योग, ध्यान और आत्मचिंतन में लगाता है, वह न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहता है। तनाव, क्रोध, ईर्ष्या, असंतोष जैसी भावनाएं मन में रासायनिक असंतुलन पैदा करती हैं जो धीरे-धीरे शरीर में रोगों का कारण बनती हैं। अति-विचार से बचना भी जरूरी है। मधुमेह से बचने के लिए इन मानसिक विषों को दूर रखना उतना ही आवश्यक है जितना दवा लेना। अपने मन को हल्का और हृदय को प्रसन्न रखने की कला सीखनी होगी। धार्मिक प्रवृत्तियाँ, सत्संग, संगीत, साहित्य, प्रकृति के निकट समय बिताना, परिवार के साथ हंसी-मजाक करना-ये सब जीवन को संतुलन और आनंद से भर देते हैं।

मधुमेह के रोगियों को नियमित रूप से अपने शुगर स्तर की जांच करनी चाहिए और डॉक्टर की सलाह का पालन करना चाहिए। दवा के साथ-साथ आत्म-निगरानी और जीवनशैली में निरंतर सुधार ही स्थायी स्वास्थ्य का आधार है। छोटी-छोटी बातों में सावधानी बड़ी बीमारियों से रक्षा करती है। शरीर को सक्रिय रखना, मन को शांत रखना और भोजन को संयमित रखना-ये तीन सूत्र मधुमेह नियंत्रण के त्रिदेव हैं। इस वर्ष के विश्व मधुमेह दिवस का संदेश यही है कि केवल दवा नहीं, बल्कि जीवन की दिशा बदलनी होगी। मधुमेह को नियंत्रण में रखने का सबसे कारगर उपाय है-संतुलित जीवन। जब मन, शरीर और आत्मा का समन्वय होता है तो स्वास्थ्य अपने आप खिल उठता है। इस 14 नवम्बर को हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपनी जीवनशैली को अनुशासित, सकारात्मक और स्वास्थ्य-केंद्रित बनाएंगे। नियमित योग और ध्यान करेंगे, भोजन में संयम रखेंगे, तनाव को दूर करेंगे और अपने शरीर को प्रेम से समझेंगे। क्योंकि स्वस्थ शरीर ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। मधुमेह जैसी बीमारी हमें भयभीत करने के लिए नहीं आई, बल्कि हमें सजग, अनुशासित और संतुलित जीवन जीने का संदेश देने के लिए आई है। अगर हम यह संदेश समझ जाएं तो मधुमेह भी जीवन के संतुलन की शिक्षक बन जाती है।

निर्यात की नई उड़ानः भारत ने तोड़ा टैरिफ का जाल

-सुरेश गांधी

भारत ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि चुनौतियां उसके लिए अवसर बन जाती हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए 50 प्रतिशत तक के टैरिफ के बावजूद, भारत ने न केवल अपनी निर्यात वृद्धि को बनाए रखा, बल्कि सितंबर 2025 में 6.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की। अमेरिका को निर्यात में 11.9 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद यह उछाल दशार्ता है कि भारत अब किसी एक बाजार पर निर्भर नहीं है। यह बदलाव केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि भारत की नई निर्यात नीति दिशा और आत्मनिर्भर आर्थिक सोच का प्रमाण है. खास यह है कि भारत ने निर्यात को नई ऊंचाई देने के लिए ?25,060 करोड़ की एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन की मंजूरी दी है. जो वाराणसी, भदोही और मिजार्पुर जैसे पारंपरिक कालीन क्लस्टरों के लिए यह नीति वरदान साबित होगी। कारपेट एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (सीईपीसी) के चेयरमैन कुलदीप राज बट्टुल का दावा है कि निर्यात मिशन से कालीन उद्योग को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नई पहचान मिलेगी। हमारे बुनकरों के कौशल को विश्व पटल पर प्रदर्शित करने का यह सही समय है। उन्होंने बताया कि निर्यात दिशा के तहत कालीनों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग और डिजाइन प्रमोशन पर विशेष सहायता दी जाएगी। वहीं निर्यात प्रोत्साहन से एमएसएमई निर्यातकों को पूंजी तक आसान पहुंच मिलेगी, जिससे उत्पादन क्षमता और रोजगार दोनों में वृद्धि होगी

आजादी का अमृत महोत्सव हम सभी के लिए सिर्फ. आजादी के 75 वर्षों का उत्सव नहीं है, बल्कि यह भारत की आर्थिक, सामाजिक और वैश्विक क्षमताओं का पुनर्निर्माण करने का अवसर भी है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में इक्सपोर्ट प्रामेशन मिशन (ईपीएम) को मंजूरी दी है। यह मिशन वर्ष 2025 से 26 व 2030 से 31 तक चलेगा और इस पर कुल ?25,060 करोड़ खर्च किए जाएंगे। यह मिशन पुराने बिखरे हुए निर्यात प्रोत्साहन कार्यक्रमों को एकजुट कर एकीकृत, डिजिटल और परिणाम-आधारित ढांचा प्रदान करेगा। ईपीएम का उद्देश्य केवल वित्तीय सहायता प्रदान करना नहीं है, बल्कि यह भारत के निर्यात ढांचे को डिजिटल, समावेशी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। विशेष रूप से यह पहल एमएसएमई, प्रथम-बार निर्यातक और श्रम-सघन क्षेत्रों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी। ईपीएम के अंतर्गत दो प्रमुख पहलें की गई हैं, निर्यात प्रोत्साहन एमएसएमई क्षेत्र को सस्ती और सुलभ फाइनेंस सुविधा उपलब्ध कराएगी, जिसमें ब्याज सब्सिडी, क्रेडिट कार्ड, फैक्टरिंग और गारंटी स्कीम शामिल होंगी। निर्यात दिशा, अंतरराष्ट्रीय ब्रांडिंग, पैकेजिंग, लॉजिस्टिक्स, सर्टिफिकेशन, ट्रेड फेयर और गुणवत्ता सुधार पर केंद्रित होगी। इस मिशन की खासियत यह है कि अब आवेदन से लेकर भुगतान तक की पूरी प्रक्रिया डिजिटल प्लेटफॉर्म पर होगी, जिससे पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित होगी।

मतलब साफ है भारत की निर्यात नीति का यह नया अध्याय न केवल व्यापार को बल देगा, बल्कि आर्थिक स्वायत्तता की दिशा में ठोस कदम साबित होगा। अमेरिकी टैरिफ का जवाब भारत ने आर्थिक कौशल से दिया है, न कि प्रतिक्रिया से। यह वही नीति है जो भारत को उभरती अर्थव्यवस्था से वैश्विक व्यापार शक्ति में रूपांतरित करेगी। अब निर्यात सिर्फ अर्थशास्त्र नहीं, आत्मविश्वास का प्रतीक बन चुका है। ईपीएम सिर्फ. एक आर्थिक योजना नहीं है, यह प्रधानमंत्री मोदी की विकसित भारत 2047 की दृष्टि का हिस्सा है। आजादी के 100 वर्षों तक भारत को सशक्त, तकनीकी-आधारित और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी राष्ट्र बनाने का यह एक महत्वपूर्ण कदम है। यह मिशन यह संदेश भी देता है कि भारत अब विभिन्न खंडित योजनाओं पर निर्भर नहीं रहेगा, बल्कि एक समग्र, लचीला और डिजिटल सक्षम निर्यात ढांचा के माध्यम से वैश्विक बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करेगा। मतलब साफ है आज, जब भारत अपने 75वें स्वतंत्रता वर्ष का उत्सव मना रहा है, ईपीएम जैसे कार्यक्रम यह प्रमाणित करते हैं कि देश केवल स्वतंत्र नहीं हुआ, बल्कि आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और वैश्विक दृष्टि से सशक्त बन रहा है। निर्यात बढ़ाने, रोजगार सृजन करने, ईपीएम को सशक्त बनाने और नए बाजारों तक पहुंच बनाने की दिशा में यह मिशन भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयों पर ले जाने में सहायक होगा। ईपीएम के माध्यम से भारत आजादी का अमृत महोत्सव सिर्फ. यादगार नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत को मजबूती देने वाला प्रतीक बन गया है।

कारपेट उद्योग के लिए स्वर्णिम अवसर

वाराणसी, भदोही और मिजार्पुर जैसे पारंपरिक कालीन क्लस्टरों के लिए यह नीति वरदान साबित होगी। कारपेट एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (सीईपीसी) के चेयरमैन कुलदीप राज बट्टुल ने सीनियर रिपोर्टर सुरेश गांधी से बातचीत में कहा, ह्लनिर्यात मिशन से कालीन उद्योग को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नई पहचान मिलेगी। हमारे बुनकरों के कौशल को विश्व पटल पर प्रदर्शित करने का यह सही समय है। उन्होंने बताया कि निर्यात दिशा के तहत कालीनों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग और डिजाइन प्रमोशन पर विशेष सहायता दी जाएगी। वहीं निर्यात प्रोत्साहन से एमएसएमई निर्यातकों को पूंजी तक आसान पहुंच मिलेगी, जिससे उत्पादन क्षमता और रोजगार दोनों में वृद्धि होगी। उनका कहना है कि ईपीएम से भारतीय कारपेट उद्योग को एक नया इतिहास रचने का अवसर मिला है। इससे देश के छोटे और मध्यम निमार्ताओं को वैश्विक बाजार में सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। निर्यात प्रोत्साहन योजना के तहत एमएएसएमई और छोटे निर्यातकों को सस्ते व्यापार वित्त (ट्रेड फाइनेंस) की सुविधा दी जाएगी। ब्याज सबवेंशन और क्रेडिट गारंटी से उत्पादन और निर्यात की लागत घटेगी। ई-कॉमर्स निर्यातकों के लिए विशेष क्रेडिट कार्ड उपलब्ध होंगे, जिससे ऑनलाइन वैश्विक बिक्री में आसानी होगी। ईपीएम की निर्यात दिशा योजना के तहत कारपेट उद्योग को ब्रांडिंग, पैकेजिंग और अंतरराष्ट्रीय मानक अनुपालन में सहायता मिलेगी। व्यापार मेलों और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में भागीदारी को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके अलावा, मार्केट इंटेलिजेंस और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से निर्यातकों को वैश्विक मांग और रुझानों की जानकारी मिलेगी। इंडलैंड ट्रांसपोर्ट और वेरहाउसिंग रिइम्बर्समेंट से देश के अंदरूनी इलाकों में उत्पादन और निर्यात की लागत कम होगी। यह पहल विशेष रूप से वाराणसी, भदोही और एटा जैसे कारपेट हब्स के लिए लाभकारी साबित होगी। इस मिशन से स्थानीय कारीगरों और एमएसएमई को निर्यात ऑर्डर सुनिश्चित होंगे, रोजगार बढ़ेगा और भारत के हस्तनिर्मित कारपेट को वैश्विक पहचान मिलेगी। सीईपीसी के माध्यम से निर्यातक अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आवेदन और सब्सिडी प्राप्त कर सकेंगे। इससे प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध होगी। मतलब साफ है ईपीएम का यह कदम भारत के हस्तनिर्मित कारपेट उद्योग के लिए ऐतिहासिक अवसर साबित होगा। छोटे और मध्यम निमार्ताओं को वित्तीय और गैर-वित्तीय दोनों तरह की सहायता मिलेगी, जिससे भारतीय कारपेट वैश्विक बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करेगा। यह समय है कि भारतीय कारपेट उद्योग अपने कौशल और गुणवत्ता के माध्यम से दुनिया में अपनी छवि को और मजबूत करे। इसके लिए एक ऐतिहासिक अवसर लेकर आया है।

टैरिफ के बावजूद स्थिर रहा भारत का प्रदर्शन

अमेरिकी नीति के तहत टैरिफ बढ़ोतरी से कई देशों की अर्थव्यवस्थाएं डगमगाईं, मगर भारत ने विविधीकरण रणनीति अपनाई। मूडीज की ग्लोबल मैक्रो आउटलूक 2024 से 2027 रिपोर्ट के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था अगले दो वर्षों में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जो जी-20 देशों में सबसे अधिक है। जबकि अमेरिका और यूरोप की वृद्धि दर क्रमशः 2.5 से 2.6 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। मतलब साफ है कि भारत की इस मजबूती के पीछे तीन प्रमुख कारण हैं:- 1. लगातार इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश, 2. घरेलू उपभोग में निरंतर मांग वृद्धि, 3. और निर्यात नीति में स्थिरता व स्पष्टता। इसके साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक की संयमित मौद्रिक नीति, नियंत्रित महंगाई और निवेश माहौल में विश्वास ने भारत को बाहरी झटकों से बचाए रखा है।

आत्मनिर्भर भारत का व्यापार मॉडल

केंद्र सरकार का उद्देश्य अब केवल निर्यात बढ़ाना नहीं, बल्कि उसे स्थायी और क्षेत्रीय रूप से संतुलित बनाना है। ईपीएम में विशेष ध्यान उन जिलों पर रहेगा जो अभी तक कम निर्यात वाले क्षेत्र हैं। इन्हें ह्लजिला निर्यात हबह्व के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि ह्वलोकल से ग्लोबलह्व का विजन धरातल पर उतर सके। कालीन, वस्त्र, चमड़ा, इंजीनियरिंग गुड्स और समुद्री उत्पाद जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को प्राथमिकता देकर न केवल विदेशी मुद्रा अर्जित होगी बल्कि ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में रोजगार सृजन को भी बल मिलेगा।

मूडीज की रिपोर्ट और मोदी सरकार की नीतियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले वर्षों में भारत विश्व व्यापार का एक निर्णायक खिलाड़ी बनेगा। जहां वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी और राजनीतिक तनावों से जूझ रही है, वहीं भारत ने आत्मनिर्भरता को अपनी आर्थिक ढाल बना लिया है। निर्यात अब केवल वाणिज्य का विषय नहीं, बल्कि विकसित भारत /2047 के संकल्प का अभिन्न हिस्सा है। भारत ने यह दिखा दिया है कि टैरिफ की दीवारें उसके व्यापारिक संकल्प को नहीं रोक सकतीं। आज भारतीय उत्पाद वैश्विक बाजार में ह्लमेक इन इंडिया, ट्रस्टेड बाई वर्ल्डह्व के रूप में अपनी पहचान बना रहे हैं।

निर्यात को सशक्त बनाने की रणनीति

भारत की निर्यात वृद्धि में कई संरचनात्मक बाधाएं रही हैं। इनमें वित्तीय संसाधनों की सीमित उपलब्धता, अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों का उच्च अनुपालन खर्च, ब्रांडिंग और बाजार पहुंच की कमी, और लॉजिस्टिक चुनौतियाँ शामिल हैं। ईपीएम इन सभी समस्याओं का समाधान करने के लिए तैयार किया गया है। मिशन की सफलता के लिए दो प्रमुख उप-योजनाओं का निर्माण किया गया हैः निर्यात प्रामोशन, यह योजना एमएसएमईएस को सस्ते व्यापार वित्त तक पहुँच प्रदान करेगी। इसमें शामिल हैंः ब्याज सबवेंशन (इंटरेस्ट सबवेंशन) इक्सपोर्ट फैक्टरिंग और कोलेटरज गारंटीस, ई-कॉमर्स निर्यातकों के लिए क्रेडिट कार्ड, नए बाजारों में विस्तार के लिए क्रेडिट एन्हांसमेंट, यह पहल विशेष रूप से उन छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए लाभकारी होगी, जो वित्तीय सीमाओं के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कदम नहीं रख पा रहे थे। निर्यात दिशा, यह योजना गैर-वित्तीय सहायता प्रदान करती है, ताकि निर्यातक बाजार में प्रतिस्पर्धी बने और अपने उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ा सकें। इसमें शामिल हैंः अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता और अनुपालन सहायता, ब्रांडिंग और पैकेजिंग सहयोग, अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में भागीदारी, निर्यात गोदाम और लॉजिस्टिक्स सहायता, व्यापार खुफिया और क्षमता विकास, इस प्रकार, ईपीएम न केवल वित्तीय मदद देगा, बल्कि निर्यातक की सम्पूर्ण तैयारियों, बाजार में दृश्यता और क्षमता निर्माण को भी सुनिश्चित करेगा।

वैश्विक व्यापार में भारत की रणनीति

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में कई देशों ने टैरिफ और व्यापार नीतियों में बदलाव किए हैं, जिससे भारतीय निर्यातक प्रभावित हुए हैं। विशेष रूप से टेक्सटाइल्स, लेदर, जेम्स और ज्वेलरी, इंजीनियरिंग गुड्स और मरीन उत्पाद क्षेत्रों को नए वैश्विक टैरिफ से चुनौती मिली है। ईपीएम के माध्यम से इन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी ताकिः निर्यात ऑर्डर बनाए रखें, रोजगार सुरक्षित हों, नए भौगोलिक क्षेत्रों में निर्यात का विस्तार हो, यह नीति न केवल वर्तमान संकट का समाधान करेगी, बल्कि भारत को एक मजबूत, निर्यात-केंद्रित अर्थव्यवस्था बनाने में भी सहायक होगी।

डिजिटल प्लेटफॉर्म और सरल प्रक्रिया

मिशन के कार्यान्वयन के लिए डायरेक्ट्रेट जनरल आफ फारेन ट्रेड (डीजीएफटी) को जिम्मेदारी दी गई है। ईपीएम के तहत सभी प्रक्रियाएं, आवेदन से लेकर अनुदान वितरण तक, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से संचालित होंगी। इस डिजिटल प्रणाली से प्रक्रिया में पारदर्शिता, त्वरित निर्णय और निर्यातक के लिए आसान पहुंच सुनिश्चित होगी। बता दें, पहले भारत में निर्यात प्रोत्साहन के लिए कई अलग-अलग योजनाएं थीं, जैसे इंटरेस्ट इक्वालिसेशन स्कीम (आईएस) और मार्केट एसेस इनिसिएटिव (एमएआई)। इन योजनाओं के खंडित होने के कारण लाभार्थियों तक मदद पहुँचने में कई बाधाएँ आती थीं। ईपीएम इन सबको एकीकृत कर एक आउटकम बेस्ड और प्रभावी ढांचा प्रस्तुत करता है।

एमएसएमई और स्थानीय रोजगार का सशक्तिकरण

भारत की अर्थव्यवस्था में एमएसएमई सेक्टर की भूमिका केंद्रीय है। देश के लगभग 63 मिलियन एमएसएमई रोजगार प्रदान करते हैं और निर्यात का महत्वपूर्ण हिस्सा योगदान करते हैं। एमएसएमई इस वर्ग को लक्षित कर उन्हें सस्ते वित्त, बाजार तक पहुंच और वैश्विक मानकों के अनुरूप तैयारी में सहायता करेगा। इसके अलावा, मिशन गैर-पारंपरिक जिलों और कम निर्यात वाले क्षेत्रों को भी लाभान्वित करेगा। इससे न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था भी सुदृढ़ होगी।

आज भी हर पिता के लिए प्रेरक है पंड़ित जवाहर लाल नेहरू

बेटियाँ अक्सर पिता की आँखों में अपने सपनों की पहली झलक देखती हैं। पर जब उस पिता का नाम जवाहरलाल नेहरू हो और बेटी का नाम इंदिरा गांधी, तब यह रिश्ता सिर्फ घर की चारदीवारी में नहीं रहता, इतिहास के पन्नों पर उतर आता है। नेहरू ने इंदिरा की परवरिश जिस तरह की, वह आज भी बेटियों के पिताओं के लिए प्रेरणा बन सकती है। उन्होंने उसे केवल पाल-पोसकर बड़ा नहीं किया, बल्कि अपने आदर्शों, संघर्षों और विचारों से गढ़ा , जैसे कोई मूर्तिकार पत्थर में प्राण फूंकता है।

इंदिरा का बचपन किसी राजकुमारी की कहानी नहीं था। मां कमला नेहरू की बीमारी, पिता का जेल जीवन और आजादी की लड़ाई की आँधियों के बीच वह अकेली बच्ची थी जो पत्रों में पिता को ढूंढती थी। नेहरू के लिखे वे पत्र, जिन्हें बाद में 'पिता के पत्र बेटी के नाम ' के नाम से पुस्तक रूप मिला, किसी स्कूली पाठ्यपुस्तक से अधिक जीवन दर्शन से भरे थे। उनमें विज्ञान था, प्रकृति थी, इतिहास था और सबसे बढ़कर विचारों की आजादी थी। नेहरू ने इंदिरा को यह नहीं सिखाया कि क्या सोचना है, बल्कि यह सिखाया कि खुद सोचना कितना जरूरी है। यही शिक्षा आगे चलकर उनके राजनीतिक व्यक्तित्व का मेरुदंड बनी।

कभी इंदिरा ने अपने पिता से शिकायत की थी कि वे हमेशा जेल में क्यों रहते हैं। जवाब में नेहरू ने लिखा ह्लजब स्वतंत्रता खतरे में हो, तब घर में बैठना कैसा पिता होना होगा।ह्व शायद इसी संवाद ने इंदिरा को समझा दिया था कि देश के लिए संघर्ष करना घर की चिंता से बड़ा कर्तव्य है। यही वह बीज था, जिससे भविष्य की लौह महिला का व्यक्तित्व अंकुरित हुआ। बचपन की एक घटना दिलचस्प है। स्वतंत्रता आंदोलन के दिनों में इंदिरा ने अपने मोहल्ले के बच्चों के साथ मिलकर 'वानर सेना' बनाई। कोई और पिता होता तो शायद बच्ची की शरारत समझकर हँस देता, पर नेहरू ने इसे प्रोत्साहित किया। उन्होंने देखा कि बच्ची में नेतृत्व के गुण हैं। उन्होंने उसे वही जिम्मेदारी दी जो बेटों को दी जाती है , कभी हिचकिचाए बिना।

नेहरू के लिए इंदिरा बेटी नहीं, एक साथी थी। जेल से भेजे पत्रों में वह अपने अनुभव, अपने अध्ययन, अपने स्वप्न साझा करते। इंदिरा ने एक बार कहा था हमारा रिश्ता पिता-पुत्री का कम, साथी का ज्यादा था। यह कथन नेहरू के उस आधुनिक सोच का प्रमाण है जो उस समय दुर्लभ थी जब अधिकांश पिता बेटियों को पर्दे में रखना गर्व समझते थे। इंदिरा के विवाह के समय जब तरह-तरह की अफवाहें फैलीं, तब नेहरू ने सार्वजनिक रूप से बेटी के निर्णय का समर्थन किया। उन्होंने कहा इंदिरा अपना जीवन साथी चुनने के लिए स्वतंत्र है। यह एक पिता की वही आवाज थी जो बेटी के आत्मसम्मान के साथ खड़ी रहती है, भले संसार क्या सोचे। इस एक घटना ने उस दौर की सामाजिक रूढ़ियों को हिला दिया। आज भी यह मिसाल पिताओं के लिए प्रेरणा है। राजीव गांधी के जन्म पर परिवार चाहता था कि नाम राहुल रखा जाए, पर नेहरू ने अपनी राय दी और राजीव नाम चुना गया। इंदिरा ने बिना विवाद किए पौत्र के लिए राहुल नाम आगे सुरक्षित रखा , पिता के निर्णय का सम्मान और अपनी स्वतंत्र सोच, दोनों का संतुलन। यह संतुलन शायद केवल वही रख सकती थीं जिन्हें पिता ने संवाद की आजादी दी थी। नेहरू ने कभी यह नहीं जताया कि उन्हें पुत्र की इच्छा थी। उन्होंने इंदिरा में वही सामर्थ्य देखा जो किसी पुत्र में देखी जाती है। बल्कि उनसे भी अधिक, क्योंकि इंदिरा केवल नेहरू की बेटी नहीं थी, उनकी विचारधारा की वारिस थी। यह बात उस समय कही गई जब समाज बेटी को परिवार का उत्तराधिकारी नहीं मानता था। नेहरू ने इस धारणा को अपने आचरण से तोड़ा, किसी भाषण से नहीं। नेहरू की परवरिश का असर यह हुआ कि इंदिरा ने नारीत्व को कमजोरी नहीं, शक्ति के रूप में पहचाना। उन्होंने राजनीति में वही दृढ़ता दिखाई जो नेहरू ने उन्हें दी थी। जब कभी उन्होंने विरोधों और संकटों का सामना किया, भीतर से पिता के पत्रों की पंक्तियाँ गूंजती होंगी संकट में जो शांत रह सके, वही सच्चा नेता होता है। आज जब समाज फिर से बेटी और बेटे के बीच भेदभाव की लकीरें खींचने लगा है, नेहरू और इंदिरा की यह कहानी हमें याद दिलाती है कि बेटियों को सशक्त बनाने के लिए भाषण नहीं, विश्वास चाहिए। वह विश्वास जो नेहरू ने इंदिरा में किया था। हर पिता अगर अपनी बेटी में वही आत्मबल, वही जिज्ञासा, वही सोचने की स्वतंत्रता पैदा करे तो यह देश सचमुच उस भारत का रूप ले सकता है जिसका सपना नेहरू ने देखा था , जहां हर नागरिक सोचने और चुनने के लिए स्वतंत्र हो।

नेहरू ने केवल भारत का भविष्य नहीं गढ़ा, उन्होंने एक बेटी के माध्यम से यह सिद्ध किया कि जब पिता पुत्री में विश्वास करता है, तो वह समाज की दिशा बदल देती है। शायद यही कारण है कि आज भी जब कोई पिता अपनी बेटी को आत्मविश्वास से भरी आंखों से देखता है, तो उसमें नेहरू की छवि झलकती है । एक ऐसे पिता की, जिसने अपनी बेटी को सिर्फ जन्म नहीं दिया, बल्कि उसे भारत की इंदिरा बनाया।

-विवेक रंजन श्रीवास्तव, विनायक फीचर्स

संकल्प, मनोबल और सफलता का संगम

संजीव ठाकुर

कठिन परिस्थितियाँ कभी पूर्व सूचना देकर नहीं आतीं वे अचानक जीवन के द्वार पर दस्तक देती हैं। इसलिए मनुष्य को सदैव सजग, सावधान और आत्मनियंत्रित रहना चाहिए। जीवन के दो पहलू खुशियाँ और अवसाद ऐसे हैं जैसे दिन और रात। यह हमारे विवेक पर निर्भर करता है कि हम इन परिस्थितियों को किस प्रकार आत्मसात कर संतुलित जीवन का निर्माण करते हैं। जीवन स्वयं में एक गणित है – कभी दो और दो चार होते हैं तो कभी दो और दो पाँच भी। यही पाँच जीवन की विषम परिस्थितियों का प्रतीक है, जो हमें संघर्ष और सहनशीलता का पाठ सिखाती हैं। मनुष्य, समस्त सृष्टि में चेतनता की सर्वोच्च अवस्था है। पत्थरों में चेतना शून्य, वृक्षों में अंकुरित, पशु-पक्षियों में गतिमान और मनुष्य में सर्वाधिक विकसित रूप में विद्यमान है। यही चेतना उसे विचार, मनन और समाधान की दिशा में अग्रसर करती है। मनुष्य का जीवन विविध मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक संघर्षों का संगम है। किंतु इतिहास साक्षी है – जब भी मनुष्य ने अपनी मनोबल, शारीरिक शक्ति और दृढ़ संकल्प का उपयोग किया, तब उसने असंभव प्रतीत होने वाले कार्यों को भी संभव कर दिखाया।

जिस मनुष्य में उत्साह, ऊर्जा और आत्मविश्वास का समुच्चय होता है, वही व्यक्ति हर परिस्थिति का सामना सौम्यता और विवेक के साथ करता है। मानव की संकल्पशक्ति इतनी ऊजार्वान होती है कि वह विपरीत परिस्थितियों को भी अपने अनुकूल दिशा में मोड़ लेता है और अपनी शक्ति का सकारात्मक उपयोग समाज और राष्ट्र के हित में कर पाता है। मनुष्य को सदैव कर्मरत और कार्यशील रहना चाहिए, क्योंकि व्यस्त मस्तिष्क सृजन करता है, जबकि खाली मस्तिष्क अवसाद का घर बन जाता है। एकाग्र चित्त, ऊजार्वान मन और दृढ़ संकल्प ही किसी भी कठिन लक्ष्य की प्राप्ति के सशक्त आधार हैं।इ मानव इतिहास ऐसे अनगिनत उदाहरणों से भरा है जहाँ अदम्य संकल्प और मनोबल ने असंभव को संभव किया। हमारे स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानी – महात्मा गांधी, सरदार पटेल, नेहरू, सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सरोजिनी नायडू – इन्होंने विपन्न परिस्थितियों में भी अपनी मानसिक दृढ़ता और संगठन शक्ति से असंभव प्रतीत होने वाली स्वतंत्रता का स्वप्न साकार किया। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि संकल्प और आत्मबल ही किसी भी राष्ट्र या व्यक्ति के पुनर्जागरण की मूल प्रेरणा हैं।

जीवन में सफलता पाने के लिए सादगी, ईमानदारी, निरंतरता और श्रमशीलता आवश्यक हैं। कोई भी महान व्यक्ति आकाश से अवतरित नहीं होता – वह भी इसी मिट्टी से जन्मा सामान्य मानव होता है, जिसने अपने संघर्ष, संयम और साहस से असाधारण उपलब्धियाँ अर्जित कीं।मनुष्य का हृदय एक अनंत ऊर्जा स्रोत है। जब मस्तिष्क चिंतन करता है, दिशा तय करता है और कर्म में रूपांतरित होता है, तब लक्ष्य साकार होता है। किंतु यदि मन निराश या भयभीत हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव हो जाता है। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने मन को सदैव प्रसन्न, प्रफुल्ल और सकारात्मक रखें। यही मानसिक स्थिति हमें विषम परिस्थितियों में भी स्थिर रखती है और नए युग की दिशा में प्रेरित करती है। जीवन में पिछड़ने के अनेक कारणों में से एक प्रमुख कारण है – स्वयं पर अविश्वास। सफलता के लिए सुनियोजित योजना, आत्ममूल्यांकन, कठोर श्रम और मानसिक संतुलन आवश्यक हैं। संपन्नता के बावजूद यदि मनोबल दुर्बल है, तो सफलता दूर हो जाती है।

अतः यह निर्विवाद सत्य है कि – जीवन की सर्वोच्च सफलता संकल्प, मनोबल और निरंतर कर्म की त्रिवेणी से ही संभव है।

जो व्यक्ति अपने भीतर की ऊर्जा को पहचान लेता है, वही अपने जीवन को श्रेष्ठ, सार्थक और समाजोपयोगी बना पाता है।

रईस हाई स्कूल में उर्दू कैलीग्राफी के शिक्षक अजीम गरकाब को किया गया सम्मानित

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान रईस हाई स्कूल एवं जूनियर कालेज में उर्दू सुलेख के माहिर शिक्षक अजीम गरकाब को उर्दू कैलीग्राफी (सुलेख) के क्षेत्र में उनकी बहुमूल्य सेवाओं के सम्मान में के एम ई सोसाइटी के आनरेरी जनरल सेक्रेटरी दानियाल काजी द्वारा रईस हाई स्कूल एवं जूनियर कालेज के उर्दू बसेरा हाल में जीएम मोमिन वीमेंस कालेज अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित विश्व उर्दू दिवस समारोह में सुलेख विशेषज्ञ की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध कवि एवं लेखक मुहम्मद रफी अंसारी, अध्ययन केंद्र समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी, डा. कुतुबुद्दीन शाहिद, खान जाकिर हुसैन, डा. अबू तालिब अंसारी, प्रिंसिपल जवेरिया काजी के अलावा अध्ययन केंद्र के शिक्षक एवं छात्र उपस्थित थे। गौरतलब है कि अजीम गरकाब अपनी सुलेखन कला के माध्यम से छात्रों में सुलेख के प्रति जुनून और रुचि पैदा करने का सफल प्रयास कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन और प्रशिक्षण में दर्जनों छात्र शहर और शहर के बाहर के विद्यालयीन मुकाबलों में भाग लेकर पुरस्कार जीत चुके हैं। उन्होंने पुरस्कार और ट्राफी जीत कर अपने शिक्षक और शिक्षा संस्थान का नाम रोशन किया है। अजीम गरकाब अपनी सुलेखन कला के माध्यम से न सिर्फ.रईस स्कूल बल्कि भिवंडी शहर के अन्य सकूलों में भी छात्रों को कैलीग्राफी के हुनर से लाभान्वित कर रहे हैं। विश्व उर्दू दिवस के अवसर पर शाल, पुष्पगुच्छ एवं उपहार भेंट करते हुए सचिव दानियाल काजी, अब्दुल अजीज अंसारी और सभी अतिथियों ने अजीम गरकाब की सराहना की। रईस हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज के चेयरमैन, प्रिंसिपल और पूरे स्टाफ की तरफ से अजीम गरकाब को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

जरूरतमंद को मिली जीवनदायिनी मदद, विपुल पाटील के प्रयासों से हुआ निशुल्क ऑपरेशन

पालघर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के सामाजिक कार्य का एक उत्कृष्ट उदाहरण हाल ही में पालघर जिले में देखने को मिला। पार्टी के जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आनंदभाई ठाकूर के मार्गदर्शन में तथा जिला महासचिव विपुल पाटील के अथक प्रयासों से बोईसर के गणेशनगर निवासी अक्षय यादव नामक गरीब मरीज को बड़ी चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। विपुल पाटील के पहल पर करीब एक लाख रुपये लागत वाला ऑपरेशन पूर्णतः निशुल्क किया गया। यह ऑपरेशन धुंधलवाड़ी स्थित वेदांता हॉस्पिटल, डहाणू में डॉ. पंकज राठौड़ के मार्गदर्शन और सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समाजसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विपुल पाटील ह्नराजनीति बीस प्रतिशत और समाजसेवा अस्सी प्रतिशतह्व के सिद्धांत पर चलते हुए निरंतर गरीब और जरूरतमंद मरीजों की सहायता में सक्रिय हैं। अक्षय यादव व उनके परिवार ने पूर्व विधायक आनंदभाई ठाकूर, डॉ. पंकज राठौड़ तथा विपुल पाटिल के प्रति आभार व्यक्त किया है। उनकी इस सामाजिक पहल की लोगों द्वारा सराहना की जा रही है।

सूर्या रोशनी ने टर्बो फ्लेक्स रेंज के साथ तार व केबल्स सेगमेंट में कदम रखा

मुंबई। सूर्या रोशनी, जो भारत में लाइटिंग, फैन, होम अप्लायंसेज, स्टील और पीवीसी पाइप्स के सबसे भरोसेमंद नामों में से एक है, ने तार और केबल्स सेगमेंट में प्रवेश किया है और अपनी नई टर्बो फ्लेक्स रेंज लॉन्च की है – जो सुरक्षा, टिकाऊपन और बहुमुखी प्रतिभा का शक्तिशाली संयोजन है, विशेष रूप से आधुनिक घरों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिए तैयार की गई है। इसके साथ कंपनी ने इलेक्ट्रिकल सॉल्यूशंस मार्केट में अपनी स्थिति को और मजबूत किया है। नए लॉन्च किए गए तार टर्बो फ्लेक्स फ्लेम रिटार्डेंट और टर्बो फ्लेक्स ग्रीन फ्लेम रिटार्डेंट लो स्मोक एंड हैलोजन इन दो प्रकार में उपलब्ध हैं। ये प्रतिबंधित खतरनाक पदार्थों पर रोक अनुपालन, पर्यावरण-अनुकूल तार हैं, जिन्हें उच्च सुरक्षा विशेषताओं के साथ बनाया गया है और रोजमर्रा की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए इंजीनियर किया गया है। काला, लाल, नीला, हरा, ग्रे, सफेद और पीला इन सात आकर्षक रंगों में उपलब्ध ये तार आवासीय और औद्योगिक वायरिंग सेटअप में बढ़ती कार्यात्मक सुरक्षा और सौंदर्यपूर्ण समन्वय की मांग को पूरा करते हैं। इनके उच्च इंसुलेशन रेज़िस्टेंस गुण इन्हें सुरक्षा और स्थिरता के प्रति जागरूक बाजारों में एक भरोसेमंद विकल्प बनाते हैं। सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए, सूर्या की टर्बो फ्लेक्स रेंज पीवीसी इंसुलेटेड है, जो अत्यधिक गर्मी का सामना करने में सक्षम है और कठिन परिस्थितियों में भी निर्बाध प्रदर्शन सुनिश्चित करती है। प्रत्येक तार का परीक्षण किया गया है और यह 1100 वोल्ट के लिए रेटेड है, जिससे यह घरेलू अनुप्रयोगों के साथ-साथ वाणिज्यिक विद्युत प्रणालियों के लिए भी उपयुक्त है। चाहे पंखा हो, लाइट फिक्स्चर हो या उपकरण, ये तार अपने उच्च इंसुलेशन और गर्मी प्रतिरोध के माध्यम से उपभोक्ताओं को मानसिक शांति प्रदान करते हैं। लॉन्च पर बोलते हुए, सूर्या रोशनी लिमिटेड के चेयरमैन पद्मश्री जे. पी. अग्रवाल ने कहा, हमारा मिशन हमेशा से भरोसे और तकनीक को जोड़ना रहा है। टर्बो फ्लेक्स रेंज केवल एक तार नहीं है झ यह हर घर की सुरक्षा है और सूर्या की उस गुणवत्ता का प्रतीक है जो पीढ़ियों तक बनी रहती है। टर्बो फ्लेक्स तारों के साथ हम सिर्फ एक और तार नहीं, बल्कि सुरक्षा, मजबूती, इंस्टॉलेशन की सुविधा और स्थिरता का वादा कर रहे हैं, जो जिम्मेदार निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। सूर्या रोशनी लिमिटेड के सीईओ वासुमित्रा पांडे ने कहा, जैसे-जैसे घर और कार्यस्थल अधिक तकनीकी रूप से एकीकृत होते जा रहे हैं, उनकी रीढ़ -विद्युत वायरिंग को भी इसका समर्थन करने के लिए विकसित होना होगा। सूर्या के साथ हम केवल तार नहीं, बल्कि एक भविष्य-तैयार कनेक्शन प्रदान कर रहे हैं जो हर भारतीय घर और व्यवसाय के लिए सुरक्षा, विश्वसनीयता और प्रदर्शन सुनिश्चित करता है। सूर्या रोशनी लिमिटेड के एमडी राजू बिष्टा ने कहा टर्बो फ्लेक्स रेंज के साथ हम वायरिंग उद्योग में नया मानक स्थापित कर रहे हैं।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग की अनोखी पहल

कुरजे के 355 आदिवासी विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री व पौष्टिक आहार वितरण

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के तलासरी तहसील के कुरजे गांव में राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग की ओर से एक प्रेरणादायी सामाजिक उपक्रम आयोजित किया गया। आयोग ने निर्मला आदिवासी विद्यालय, कुरजे के 355 विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री (कॉपी, किताबें, पेन, पेंसिल, रबर, ड्रॉइंग बुक) के साथ-साथ पौष्टिक चना और गुड़ का वितरण किया।

यह पहल केवल सामग्री वितरण तक सीमित नहीं रही, बल्कि बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ाने का उद्देश्य भी इसके केंद्र में रहा। इस कार्यक्रम का संचालन आयोग के जिला उपनियंत्रक काशीनाथ कुरकुटे एवं सामाजिक कार्यकर्ता रविंद्र माछी के मार्गदर्शन में किया गया। मंच पर प्रमुख अतिथियों में आयोग की संस्थापिका श्रीमती शनीदेवी मिश्रा, राष्ट्रीय अध्यक्ष दयाराम मिश्रा, मुख्य महासचिव डॉ. रविंद्र मिश्रा, महाराष्ट्र राज्य सचिव डॉ. योगेश बन, कोऑर्डिनेटर श्रीमती कंचन मिश्रा, बोईसर अध्यक्ष अक्षय कांबले तथा उपाध्यक्ष युवराज मेहता उपस्थित रहे।

विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश नागुडे ने कहा कि आर्थिक कारणों से बच्चों को अकसर शिक्षण सामग्री की कमी होती है, लेकिन आयोग की यह पहल उनके लिए वरदान साबित हुई है। कार्यक्रम के दौरान आदिवासी संस्कृति की झलक भी देखने को मिली। बच्चों ने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. रविंद्र मिश्रा ने कहा कि शिक्षा तभी सार्थक है जब बच्चा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ हो। आदिवासी अंचलों में कुपोषण एक गंभीर समस्या है, इसलिए बच्चों को चना और गुड़ देकर पौषण का यह प्रयास किया गया है। आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष दयाराम मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि जब तक हर बच्चा शिक्षित और स्वस्थ नहीं होगा, तब तक मानवाधिकार की परिभाषा अधूरी रहेगी। कार्यक्रम के पश्चात आयोग की टीम ने पास के एक जिला परिषद विद्यालय में भी बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की, जिससे वहां भी उत्साह व खुशी का माहौल बन गया। अभिभावक गणपत थोरात ने कहा कि पहली बार हमने किसी बड़े संगठन को हमारे गांव में बच्चों के लिए इतनी संवेदनशीलता के साथ काम करते देखा है। यह दिन हमारे लिए यादगार रहेगा। विद्यालय के बच्चों ने ह्यहम भी कुछ बनेंगेह्न गीत प्रस्तुत कर वातावरण को भावनात्मक बना दिया। आयोग की संस्थापिका श्रीमती शन्तिदेवी मिश्रा ने कहा कि यह सेवा अभियान केवल वितरण नहीं, बल्कि संवेदना का प्रसार है। डॉ. योगेश बन ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं, उन्हें सशक्त बनाना ही सच्चा राष्ट्र निर्माण है। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने भारत माता की जय के नारों से विद्यालय परिसर को गुंजायमान बना दिया।

स्थानीय लोगों पर अन्याय के खिलाफ मनसे का जोरदार प्रदर्शन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। नेरुल स्थित सांडू ब्रदर्स प्रा. लि. कंपनी पर यह गंभीर आरोप लगाया गया है कि उसने पिछले नौ वर्षों से कार्यरत स्थानीय भूमिपुत्र मजदूरों को अचानक नौकरी से निकालकर बाहरी राज्यों से आए मजदूरों की भर्ती करने का प्रयास किया है।

इस अन्याय के खिलाफ महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने आज कंपनी के बाहर जोरदार आंदोलन किया और प्रशासन को कड़ा इशारा दिया। मनसे कामगार सेना के उपाध्यक्ष राज गणपत पार्टे ने चेतावनी दी हमारे किसी भी स्थानीय भूमिपुत्र की नौकरी गई, तो कंपनी चलने नहीं देंगे। साथ ही, बाहर से लाए गए मजदूरों को गेट के अंदर प्रवेश नहीं करने देंगे।आंदोलन के चलते परिसर में कुछ समय के लिए तनावपूर्ण माहौल बन गया था। हालांकि मनसे के कड़े रुख के बाद कंपनी प्रशासन ने बातचीत के लिए सहमति जताई है।

राष्ट्र को खोखला कर रहा है बढ़ता हुआ भ्रष्टाचार: भवानजी

प्रेम चंद मिश्रा

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ हिंदूवादी भाजपा नेता और मुंबई के उप महापौर बाबूभाई भवानजी ने कहा है कि आज भ्रष्टाचार देश के लिए एक गंभीर समस्या बन चुका है जो हमारे राष्ट्र की जड़ों को खोखला कर रहा है। यह एक ऐसा अभिशाप है जो न केवल आर्थिक प्रगति को रोकता है बल्कि सामाजिक और नैतिक मूल्यों को भी नष्ट कर देता है। दादर में भ्रष्टाचार विषय पर आयोजित एक संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए श्री भवानजी ने कहा कि जब कोई व्यक्ति अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए अनैतिक रास्ते अपनाता है, तो वह भ्रष्टाचार कहलाता है। यह रिश्वतखोरी, भाई-भतीजावाद, और बेईमानी के रूप में समाज में व्याप्त है।

उन्होंने कहा कि लालच, असंतुष्टि, बढ़ती हुई बेरोजगारी और गरीबी, कमजोर कानून व्यवस्था, नैतिक मूल्यों की कमी, सामाजिक असमानता और सत्ता का दुरुपयोग इन कारणों से व्यक्ति अपने स्वार्थ के लिए ईमानदारी छोड़कर अनैतिक मार्ग अपनाने लगता है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार का प्रभाव बहुत व्यापक है। यह देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है और समाज में अन्याय को बढ़ावा देता है। इसके कारण गरीब और कमजोर वर्गों को न्याय नहीं मिल पाता। यह शिक्षा, न्याय, स्वास्थ्य और प्रशासनिक व्यवस्था को नीमक की तरह खा रहा है। भवानजी ने कहा कि भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए कड़े कानूनों और पारदर्शिता की आवश्यकता है। सरकारी तंत्र में ईमानदार अधिकारियों को प्रोत्साहन देना चाहिए और दोषियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। साथ ही नागरिकों को स्वयं नैतिकता और जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक हम स्वयं ईमानदार नहीं बनेंगे और अपने आचरण में सुधार नहीं लाएंगे, तब तक समाज में परिवर्तन संभव नहीं है। यदि हर नागरिक सच्चाई और नैतिकता का पालन करे, तो निश्चित रूप से भ्रष्टाचार-मुक्त भारत का सपना साकार हो सकेगा।

नानावटी मैक्स से जुड़े प्लास्टिक व हैंड सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. नीलेश जी. सतभाई

मुंबई। नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने डॉ. नीलेश जी. सतभाई को प्लास्टिक, रीकंस्ट्रक्टिव माइक्रोसर्जरी एंड हैंड ट्रांसप्लांटेशन डायरेक्टर के रूप में नियुक्त करने का एलान किया है। डॉ. सतभाई को भारत के अग्रणी हैंड ट्रांसप्लांट सर्जन के रूप में जाना जाता है। उनके नाम पर 2020 में मुंबई में पहला सफल बाइलेटरल हैंड ट्रांसप्लांट करने की उपलब्धि है। सर्जरी के क्षेत्र में दो दशक से ज्यादा की विशेषज्ञता के साथ डॉ. सतभाई ने हाथों के प्रत्यारोपण एवं माइक्रोसर्जरी के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय सर्जरी को अंजाम दिया है।

उन्होंने 13 मरीजों में 24 हैंड ट्रांसप्लांटेशन किए हैं। क्वाड्रपल एम्प्यूटी मरीज में भारत का पहला सफल बाइलेटरल हैंड ट्रांसप्लांट, कॉन्जेनिटल हैंड एबसेंस (सिम्ब्राकिडैक्टिली) की स्थिति में एशिया का पहला हैंड ट्रांसप्लांट और एशिया में कंधे से लेकर पूरे हाथ की पहली बाइलेटरल सर्जरी जैसी कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियां उनके नाम हैं।

आरपीएफ की वर्दी में स्टेशन पर घूम रहा था युवक

बचपन से था पुलिस में नौकरी करने का शौक

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण में नकली पुलिस की गिरफ्तारी से पुलिस विभाग में खलभली मच गई है। बचपन से ही पुलिस की वर्दी का शौक रखने वाले इस व्यक्ति को कल्याण रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ की वर्दी पहने घूमते हुए पकड़ा गया।

पुलिस के भेस में पकड़े गए शख्स का नाम अविनाश जाधव बताया गया है। जानकारी के मुताबिक अविनाश को बचपन से पुलिस वाला बनना था लेकिन वह नहीं बन सका। अपने बुजुर्ग माता-पिता को बताया कि वह पुलिस वाला बन गया है। जब वह कल्याण स्टेशन पर आरपीएफ की वर्दी पहनकर घूम रहा था, तभी उसे आरपीएफ और कल्याण रेलवे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हालांकि पुलिस जांच में अभी तक यह सामने नहीं आया है कि अविनाश ने आरपीएफ की वर्दी का कोई गलत इस्तेमाल किया है या नहीं। इस संबंध में पुलिस की जांच जारी है। कल्याण रेलवे स्टेशन पर हमेशा यात्रियों की भीड़ रहती है। बुधवार आरपीएफ और कल्याण रेलवे पुलिस गश्त कर रही थी। इसी दौरान अविनाश जाधव आरपीएफ की वर्दी पहनकर घूम रहा था। संदेह होने पर आरपीएफ कर्मियों ने उसे पकड़ लिया और जीआरपी के हवाले कर दिया। कल्याण रेलवे पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पंढरीनाथ कांदे मामले की आगे की जांच कर रहे हैं।

केसीएन क्लब द्वारा किसान कल्याण विषयक चर्चा एवं विचार मंथन कार्यक्रम आयोजित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। केसीएन क्लब की ओर से किसान कल्याण विषयक चर्चा एवं विचार मंथन कार्यक्रम का आयोजन पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर, मार्ग संख्या 1 स्थित तिरुपति प्लाजा में किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिवक्ता एवं वरिष्ठ साहित्यकार अमरनाथ गिरी ने की, जबकि संचालन क्लब के वरिष्ठ पदाधिकारी किसन सिंह ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईएआरआई), पूसा नई दिल्ली के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. शिवधर मिश्र उपस्थित रहे। उनके साथ केसीएन क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्र त्यागी, अधिवक्ता उमाकांत गोस्वामी तथा चुनचुन गोस्वामी भी मंचासीन रहे। समारोह का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि डॉ. मिश्र ने आधुनिक कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और शोध आधारित खेती की महत्ता पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के समय में किसान को तकनीकी रूप से सशक्त बनाना ही उसके वास्तविक विकास की दिशा में पहला कदम है। कार्यक्रम के अध्यक्ष अधिवक्ता अमरनाथ गिरी ने अपने संबोधन में कहा कि जब तक किसानों के साथ न्याय नहीं होगा, तब तक प्रकृति और परमात्मा दोनों प्रसन्न नहीं होंगे। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकारों से किसानों की उपज का उचित मूल्य निर्धारण एवं सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने की मांग की। राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्र त्यागी ने बताया कि केसीएन क्लब देशभर में किसानों को जागरूक करने के लिए लगातार अभियान चला रहा है। उन्होंने कहा कि क्लब का उद्देश्य किसानों को न केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जोड़ना है, बल्कि उन्हें प्रशासनिक तंत्र से भी सशक्त बनाना है। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति एवं किसान हितैषी नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। इस अवसर पर शिवा वर्मा, मानवेन्द्र कुमार, रवि कुमार, हिमांशु पांडेय, सुनील कोहली, संतोष दुबे, मनीष जैन, धर्मेंद्र निषाद, पंकज शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में कार्यकारिणी सदस्य पवन पांडेय ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल समापन की घोषणा की।

झूलेलाल भगवान को अपशब्द कहने वाले के खिलाफ सिंधी समाज का आक्रोश रैली

आमदार कुमार आयलानी रैली में रहे शामिल

चेतन निर्मल संवाददाता

उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)। कुछ दिनों पूर्व छत्तीसगढ़ की क्षेत्रीय पार्टी के नेता अमित बघेल द्वारा सिंधी समाज के आराध्य देव झूलेलाल भगवान को अपशब्द कहे जाने का तीव्र विरोध करते हुए गुरुवार को भारी संख्या में आक्रोश रैली निकाली गई। इस रैली में आमदार कुमार आयलानी पहुंचे तथा इस घटना का तीव्र विरोध किया। पूरे भारत मे सबसे बड़ी संख्या में सिंधी समाज के लोग उल्हासनगर में रहते हैं तथा भगवान झूलेलाल से संबंधित चालिहा व चेटीचंड त्यौहार को इस श्रद्धा से मनाते हैं कि न केवल देश बल्कि विदेशों में रहने वाले सिंधी समाज के लोग इन पर्वों पर भगवान झूलेलाल का दर्शन करने उल्हासनगर आते हैं। ऐसे में भगवान झूलेलाल के प्रति कोई अपशब्द बोले यह यहां का सिंधी समाज बर्दाश्त नही कर सकता, हम सभी अखंड भारत का हिस्सा हैं और सनातन धर्म को पूरी श्रद्धा के साथ मनाते हैं ऐसे में कोई हमारे भगवान को कुछ कहे यह असहनीय है और हम उल्हासनगर की पूरी जनता के साथ इसका निषेध व्यक्त करते हैं ऐसा आमदार कुमार आयलानी ने इस दौरान कहा। दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी सिंधी समाज के लोग हजारों की संख्या में इस रैली में शामिल हुए।अमित बघेल मुदार्बाद, आयोलाल झूलेलाल का उद्घोष करते हुए हजारों की संख्या में गोल मैदान से तमाम बाइक के साथ निकले। आमदार कुमार आयलानी भी इस रैली में पहले बाइक तथा फिर पैदल समापन स्थल तक पहुंचे और अपना निषेध दर्ज कराया।

मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान को लेकर वाडा में समीक्षा बैठक आयोजित

पालघर (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वाडा पंचायत समिति सभागृह में 12 नवंबर 2025 को जिला परिषद की ओर से एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने की। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा की प्रकल्प संचालक डॉ. रूपाली सातपुते, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (ग्रामपंचायत) अशोक पाटील, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (मनरेगा) अतुल पारस्कर, तथा वाडा के गटविकास अधिकारी वैभव शिंदे समेत वाडा तहसील के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में मनोज रानडे ने उपस्थित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि समृद्ध पंचायत राज अभियान में सहभागी होकर प्रत्येक ग्रामपंचायत को अपने विकास का एक आदर्श मॉडल तैयार करना चाहिए। अधिक से अधिक ग्रामपंचायतें इस अभियान से जुड़ें और राज्यस्तरीय पुरस्कार प्राप्त कर जिले का नाम गौरवपूर्वक उज्ज्वल करें। बैठक के दौरान तहसील स्तर पर विभिन्न विभागों के विकास कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने निर्देश दिए कि आचारसंहिता लागू होने से पहले सभी लंबित विकास कार्यों को प्रशासनिक मंजूरी देकर गति प्रदान की जाये और आचारसंहिता लागू होने के बाद कोई भी नया कार्य आरंभ न किया जाये। उन्होंने आगे कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन ही असली प्रगति की पहचान है। प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी को अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभानी चाहिए। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे ने कहा कि सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक ग्रामपंचायतों को अभियान में शामिल किया जाये, ताकि तहसील और जिला स्तर पर पुरस्कार प्राप्ति का लक्ष्य हासिल किया जा सके।

बैठक के उपरांत मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने वाडा तहसील के भुजडपाडा स्कूल और अंगणवाड़ी केंद्र का दौरा कर स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों व शिक्षकों से संवाद भी किया। इसके अलावा प्रधानमंत्री जनमन घरकुल योजना के अंतर्गत चल रहे घरकुल निर्माण कार्यों की प्रत्यक्ष समीक्षा कर कार्य की गुणवत्ता का आकलन किया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्कूल से गंगा नहाने गए 3 दोस्तों की डूबने से गई जान, परिवार में मचा कोहराम

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में गुरुवार को रामनगर थाना क्षेत्र के डोमरी गांव के पास स्कूल से गंगा नहाने गए तीन किशोर डूब गए। एक साथी किसी तरह से बाहर निकल आया लेकिन दो अन्य स्कूली छात्रों की डूबने से मौत हो गई। वे मदद के लिए छटपटाते रहे और हाथ बाहर करके बचाने की गुहार लगाते रहे लेकिन तेज प्रवाह में उन्हें बचाने वाला कोई नहीं था। काफी देर बाद जब गोताखोर और आसपास के मल्लाह कूदे और पुलिस ने एनडीआरएफ को बुलाया तब तक दोनों पानी के अंदर समा चुके थे। दोनों ने दम तोड़ दिया था। एनडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर गंगा में सर्च ऑपरेशन चलाकर गंगा में डूबे दोनों स्कूली छात्रों को बरामद कर लिया। गंगा नदी में नहाने के दौरान बच्चों के डूबने सूचना पाकर परिजन और ग्रामीण भी गंगा किनारे पहुंच गए। शव निकलते ही परिजन बिलखने लगे और शव से लिपटकर रोते रहे। पुलिस ने दोनों छात्रों के शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमॉर्टम हाउस भेज दिया। चंदौली के जलीलपुर निवासी अमान रजा (17) और मोहम्मद इसराइल (17) गुरुवार की दोपहर दोनों छात्र स्कूल से पढ़ाई करने के बाद पड़ाव स्थित किसी स्थान पर अपना बैग रखकर गंगा नदी में स्नान करने के लिए चले गए थे। नहाने के दौरान गंगा की गहराई का अंदाज नहीं मिलने पर अमान रजा और मोहम्मद इसराइल नदी की तेजधार में बह गए। दोनों को डूबता देख उनका तीसरा साथी मोहम्मद आतिफ शोर मचाने लगा। घाट पर मौजूद स्थानीय लोगों से घटना की जानकारी पुलिस और एनडीआरएफ को दिए जाने के बाद कवायद शुरू हुई।

पुलिस और एनडीआरएफ ने सर्च मोहम्मद इस्माइल (17) और अमान (17) का शव कुछ दूरी पर गंगा से बरामद किया। लगभग आधे घंटे की खोजबीन के बाद दोनों के शवों को नदी से बाहर निकाला गया। पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए परिजनों को बुलाया। घटना के बाद से मृतकों के परिवार में कोहराम मचा है, परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

जिला निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में सिरकोनी ब्लाक परिसर में बीएलओ को दिया गया प्रशिक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी/

जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की उपस्थिति में कार्यालय खंड विकास अधिकारी सिरकोनी परिसर में बीएलओ को प्रशिक्षण दिया गया।

जिलाधिकारी के द्वारा उपस्थित बीएलओ और सुपरवाइजर को विस्तार से विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

उन्होंने उपस्थित बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) से गणना प्रपत्र वितरण की प्रगति, बीएलओ ऐप पर फीडिंग आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिया कि सभी बीएलओ शीघ्र अतिशीघ्र शत-प्रतिशत गणना प्रपत्रों का वितरण सुनिश्चित करें, तथा वितरण के पश्चात गणना प्रपत्र के संग्रहण का भी कार्य सुनिश्चित करेंगे, जिससे मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में कोई विलंब न हो।

जिलाधिकारी के द्वारा ऐसे बीएलओ जिन्होंने गणना प्रपत्र वितरण में उत्कृष्ट कार्य किया है, उन्हें प्रोत्साहित किया, वहीं जिनकी प्रगति अपेक्षाकृत कम है, उनका उत्साहवर्धन कर उन्हें बेहतर कार्य हेतु प्रेरित किया।

उन्होंने सभी बीएलओ से अपील की कि वे उत्साहपूर्वक, ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने में अपना सक्रिय योगदान दें।

इस अवसर पर ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ, सुपरवाइजर सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सुजानगंज पुलिस ने हत्या के प्रयास के अभियोग में वांछित 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।' थाना सुजानगंज पुलिस टीम द्वारा हत्या के प्रयास के अभियोग में वांछित 02 आरोपीगण को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त 02 देशी तमंचा .315 बोर, 01 जिन्दा कारतूस .315 बोर व 01 मिस कारतूस .315 बोर बरामद हुआ। घटना का संक्षिप्त विवरण, दिनांक 07.11.2025 को वादी द्वारा थाना स्थानीय पर लिखित सूचना दिया गया कि दिनांक 06.11.2025 समय 11.40 बजे रात्रि मे, मैं अपने घर पर परिवार सहित सोया हुआ था कि अचानक अरमान शेख पुत्र फारुख, अफजल शेख पुत्र जुम्मन ग्राम केवटली थाना महराजगंज जनपद जौनपुर आये और मेरे दरवाजे के सामने गाली गलौज देते हुए जान से मारने की धमकी दे रहे थे तब मैं जगा गाँव के तमाम लोग आये तो धमकी देते हुए भाग गये मैं काफी डरा हुआ हूँ मेरी मदद किया जाय जिसके आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-- 302/2025 धारा 352, 351(2) बीएनएस दिनांक

07.11.2025 को पंजीकृत किया गया। दौराने विवेचना पुनः आवेदक उपरोक्त द्वारा थाना स्थानीय पर दिनांक 12.11.2025 को एक लिखित तहरीर दिया गया कि साहब दिनांक 6-11-2025 को रात्री 11-40 बजे मै अपने परिवार के साथ अपने घर पर सो रहा था कि विपक्षी अरमान शेख पुत्र फारूख अफजल पुत्र जुम्मन निवासी ग्राम केवटली थाना महाराजगंज जौनपुर द्वारा मेरे दरवाजे पर आ कर जान से मारने के लिए कट्टे से फायर किया गया था जिससे मै और मेरे परिवार वाले अपने घर से छुपकर जान बचाएं मै काफी घबराहट व हरबराहट में था इसलिए उसदिन मात्र गाली गलौज व जान से मारने की धमकी का प्रथार्ना पत्र दिया था जिसपर अपराध संख्या 302/25 पंजीकृत है बाद में मैने अपना कैमरा दिखवाया तो उपरोक्त लोग द्वारा घटना कि फूटेज कैद हो गयी है जिसको पेन ड्राइव में दे रहा हूँ जान लेवा हमला करने की वालों के विरूद्ध कार्यवाही करने की कृपा करें जिसमें सीसीटीवी फुटेज में आरोपीगण द्वारा फायरिंग किया जा रहा है जिसके आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 109(1) बीएनएस की बढोत्तरी की गयी है ।

गन्ना पर्चियां केवल एस.एम.एस. पर्ची के रूप में गन्ना किसानों के मोबाइल फोन पर की जा रही हैं प्रेषित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला गन्ना अधिकारी रंजीत कुमार निराला द्वारा बताया गया कि प्रदेश के आयुक्त, गन्ना एवं चीनी द्वारा आसन्न पेराई सत्र 2025-26 के क्रम में निर्देश प्रसारित किये गये हैं कि गन्ना कृषकों को गन्ना पर्चियां केवल एस.एम.एस. के रूप में उनके मोबाइल फोन पर प्रेषित की जायेंगी। इसलिए आवश्यक है कि एस.जी.के. पर गन्ना कृषकों का सही मोबाइल नम्बर पंजीकृत हो। अतः गन्ना कृषक बन्धुओं से अपील है कि वे स्मार्ट गन्ना किसान (एस.जी.के.) पर पंजीकृत अपने मोबाइल नम्बर की जांच कर लें, यदि नम्बर गलत है तो अपने गन्ना पर्यवेक्षक के माध्यम से अपना सही मोबाइल नम्बर अपडेट करा लें।

कृषक बन्धु अपने पंजीकृत मोबाइल नम्बर का इन्बॉक्स खाली तथा चालू दशा में रखें एवं नेटवर्क क्षेत्र में रहें, किसान अपने पंजीकृत नम्बर पर डी.एन.डी. सर्विस को अपडेट न करायें

कृषक बन्धु अपने पंजीकृत मोबाइल नम्बर की जांच कर लें यदि मोबाइल नम्बर गलत है, तो उसे समिति के माध्यम से अपडेट करा लें

इस सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी देते हुए जिला गन्ना अधिकारी ने बताया कि पेराई सत्र 2025-26 में गन्ना पर्चियां केवल एस.एम.एस. पर्ची के रूप में गन्ना किसानों के मोबाइल नम्बर पर प्रेषित की जायेंगी। किसानों को गन्ना आपूर्ति हेतु उनके मोबाइल पर प्रेषित की जाने वाली एस.एम.एस. गन्ना पर्चियां यद्यपि 95 प्रतिशत से अधिक डिलीवर होती हैं, फिर भी एस.एम.एस. डिलीवरी में और प्रगति लाने हेतु आवश्यक है कि सभी किसान भाई शत प्रतिशत एस.एम.एस. प्राप्त करने के लिए अपने ई.आर.पी. पर पंजीकृत मोबाइल नम्बर को नेटवर्क क्षेत्र में रखें, इनबॉक्स खाली रखें, मोबाइल पर डी.एन.डी. सेवा ऐक्टिवेट न करायें, मोबाइल को सदैव चार्ज कर चालू दशा में रखें ताकि सर्वर द्वारा प्रेषित एस.एम.एस. गन्ना पर्ची उनके मोबाइल पर उन्हें रियल टाइम पर प्राप्त हो जाये। क्योंकि मोबाइल का इनबॉक्स भरा होने, मोबाइल स्विच ऑफ होने एवं डी.एन.डी. सर्विस ऐक्टिवेट होने की स्थिति में एस.एम.एस. पर्ची का संदेश 24 घन्टे के पश्चात स्वतः हो जायेगा। इस व्यवस्था में किसान के मोबाइल नम्बर पर एस.एम.एस. भेजे जाने से किसान को तत्काल पर्ची प्राप्त होगी और समय से पर्ची मिल जाने के कारण ताजा गन्ना मिल को आपूर्ति होगा जिससे किसान गन्ने की सूख से होने वाली हानि से बच पायेंगे। पर्ची निर्गमन की यह व्यवस्था पूर्णतयाः पारदर्शी है।

नीलामी में बोली गयी धनराशि पर जीएसटी टैक्स अलग से जमा करना होगा अनिवार्य

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक ने अवगत कराया है कि पुलिस लाइन जौनपुर के जी पी स्टोर में उपलब्ध निष्प्रियोज्य घोषित राजकीय सम्पत्ति/ इलेक्टॉनिक्स उपकरण/वर्दी वस्तुओं की सार्वजनिक नीलामी 20 नवम्बर 2025 को पुलिस लाइन्स जौनपुर में 10 बजे से होना सुनिश्चित हुआ है। अतः इच्छुक फॉर्म/ठेकेदार/कबाड़ी समय से उपस्थित होकर नीलामी में भाग लेना सुनिश्चित करें। नीलामी में भाग लेने वाले फर्म/ठेकेदार/कबाड़ी को नीलामी से पूर्व जमानत की धनराशि रू-20000 जमा करना अनिवार्य होगा। अधिकतम बोली लगाने वाले फर्म/ठेकेदार/कबाड़ी को उसी दिन अन्तिम बोली गयी बोली का सम्पूर्ण धनराशि जमा करना अनिवार्य होगा। नीलामी में बोली गयी धनराशि पर जीएसटी टैक्स अलग से जमा करना अनिवार्य होगा।नीलाम हुई वस्तुओं को उसी दिन पुलिस लाइन्स जौनपुर से ले जाना अनिवार्य होगा। नीलामी का अन्तिम निर्णय पुलिस अधीक्षक जौनपुर का होगा। सबसे अधिक बोली बोलने वाले व्यक्ति के पक्ष में नीलामी छोड़ दी जायेगी तथा समान तुरन्त उठाना होगा। नीलामी में बोली गयी बोली की धनराशि बोली समाप्त होने पर तुरन्त अदा करनी होगी।

गणित प्रदर्शनी में शिवकुमार सिंह ने मारी बाजी

डायट में शिक्षण अधिगम सामग्री और नवाचार आयोजित

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान रॉबर्ट्सगंज सोनभद्र में माध्यमिक विद्यालयों और परिषदीय विद्यालयों के उच्च प्राथमिक स्तर में गणित के शिक्षकों ने गणित शिक्षण को बेहतर बनाने के लिए शिक्षण अधिगम सामग्री और नवाचार की प्रदर्शनी लगाई। स्कूली शिक्षा महानिदेशक के आदेश व प्राचार्य डायट/जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनंद

पाण्डेय के निर्देश के क्रम में प्रतियोगिता नोडल हीरालाल प्रजापति की देखरेख में प्रदर्शनी में का आयोजित की गई। इस प्रदर्शनी में शिक्षकों ने कक्षा 6 से 10 तक बच्चों के गणित के शिक्षण अधिगम सामग्री और नवाचार प्रस्तुत किया । गणित टीएलएम व नवाचार में प्रमुख रूप से इलेक्ट्रॉनिक सर्वसमिका, संख्या का वर्ग ऑफ वर्गमूल, चक्रीय चतुर्भुज, गुणनफल की संक्रिया, एक ही वृत्तखण्ड में बने कोण बराबर होते हैं। कोण और कोण के प्रकार आदि बहुत सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया। डायट प्रवक्ता हीरालाल, जिज्ञासा यादव व हरिवंश ने सभी प्रतिभागियों के टीएलएम का निरीक्षण किया। उनके टीएलएम व नवाचार के आधार पर उनका मूल्यांकन किया, जिसमें प्रथम स्थान पर शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज ओबरा के शिवकुमार सिंह रहे। दूसरे स्थान पर उच्च प्राथमिक विद्यालय बिल्ली की सहायक अध्यापक सुमन सिंह, तीसरे स्थान पर कम्पोजिट विद्यालय सेंधुरी के सहायक अध्यापक कमलेश विश्वकर्मा, चौथे स्थान पर उच्च प्राथमिक विद्यालय खैरटिया के सहायक अध्यापक रमेश चन्द्र जायसवाल और पांचवे स्थान पर उच्च प्राथमिक विद्यालय ओरगाई की सहायक अध्यापिका सरिता जायसवाल रहीं। सभी को पुरस्कृत और प्रमाणपत्र दिया गया।

आजमगढ़ में प्रेम प्रसंग की आड़ में युवक की निर्मम हत्या

ओरिल गांव में तड़के मिला नरेंद्र बिंद का शव, परिजनों ने प्रेमिका के भाइयों पर लगाया हत्या का आरोप

आजमगढ़। जिले के पवई थाना क्षेत्र अंतर्गत ओरिल (केवटाना) गांव में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब नहर किनारे एक 23 वर्षीय युवक का शव मिला। मृतक की शिनाख्त जौनपुर जिले के सुइथाकला थाना क्षेत्र निवासी नरेंद्र बिंद पुत्र रामलौटी बिंद के रूप में हुई। परिजनों ने इसे प्रेम प्रसंग से उपजी रंजिश में की गई सुनियोजित हत्या बताया है। पुलिस व परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार नरेंद्र बुधवार को अपनी ननिहाल आलमपुर बनपुरवा (पवई) आया था। गुरुवार तड़के करीब सवा चार बजे वह ममेरे भाई रामअवतार के साथ बाइक से ओरिल गांव की ओर निकला। रास्ते में नहर के पास नरेंद्र ने रामअवतार को रुकने को कहा और खुद आगे चला गया। मिनटों बाद रामअवतार के मोबाइल पर नरेंद्र का कॉल आया। घबराई आवाज में उसने सिर्फ इतना कहा कुछ लोग मुझे मार रहे है और फोन कट गया। जब रामअवतार दौड़कर मौके पर पहुंचा तो नरेंद्र खून से लथपथ बेसुध पड़ा था। आनन-फानन में उसे निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की भाभी व परिजनों ने खुलासा किया कि नरेंद्र का करीब एक वर्ष से पास के ही गांव की एक लड़की से प्रेम संबंध था। लड़की के भाइयों व परिजनों को यह रिश्ता नागवार गुजर रहा था। परिजनों का साफ आरोप है कि इन्हीं लोगों ने रंजिश में नरेंद्र को रात के अंधेरे में घेरकर मौत के घाट उतार दिया। पवई थाना प्रभारी प्रदीप कुमार मिश्रा ने बताया, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। कॉल डिटेल्स, मोबाइल लोकेशन व अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई होगी।

पिकअप और डीजे की टक्कर में युवक की मौत, एक गंभीर घायल

मड़ियाहूं, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के मड़ियाहूं-मछलीशहर मार्ग पर जंगी रोड के पास बीती रात लगभग 12 बजे पिकअप और डीजे की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में पिकअप सवार युवक डॉक्टर सोनकर (28 वर्ष), निवासी रामनगर द्वितीय की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसके साथी रवि शिल्पकार गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, दोनों युवक मड़ियाहूं से पत्थर लादकर मछलीशहर गए थे और वापसी के दौरान यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। डॉक्टर सोनकर की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी रुचि का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक चार बेटियों– निधि, लाडो, नित्या और बताशा – का पिता था। प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और वाहन को कब्जे में ले लिया गया है।

आजमगढ़ में 7 मेडिकल स्टोरों के लाइसेंस निलंबित

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद में फर्जी और घटिया दवाओं की बिक्री पर लगाम कसने के लिए औषधि विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। औषधि निरीक्षक सीमा वर्मा द्वारा संचालित विशेष जाँच अभियान में 7 औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों में गंभीर खामियाँ पायी गयीं, जिसके बाद औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी (विक्रय) आजमगढ़ मण्डल ने सभी के लाइसेंस निलंबित कर दिए। जाँच के दौरान पकड़ी गयी कमियों के आधार पर निम्नलिखित मेडिकल स्टोरों के क्रय-विक्रय पर तत्काल रोक लगा दी गयी है: मेसर्स राज सरस्वती मेडिकल हॉल, भैरव जी मंदिर, उसुरकुन्धवा महाराजगंज-अग्रिम आदेश तक निलंबित, मेसर्स पूर्वांचल ट्रेडर्स, खरेवां मोड़, सरायमीर-अग्रिम आदेश तक निलंबित, मेसर्स सौम्या मेडिकल हॉल, भंवरनाथ तहबरपुर रोड, अवती, किसुनदासपुर-7 दिन के लिए निलंबित, मेसर्स अनाया मेडिकल हॉल, नैपुरा नसिरूद्दीनपुर-5 दिन के लिए निलंबित, मेसर्स देवांक मेडिकल हॉल, आकाशदीप होटल के सामने, जमीन सिधारी-7 दिन के लिए निलंबित, मेसर्स जनता मेडिकल हॉल, जीयनपुर-5 दिन के लिए निलंबित, मेसर्स नयन मेडिकल स्टोर, महाराजगंज-15 दिन के लिए निलंबित। प्रशासन ने चेतावनी दी कि अवैध दवा कारोबार करने वालों पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। औषधि निरीक्षक सीमा वर्मा ने बताया कि जाँच अभियान आगे भी जारी रहेगा। बिना वैध दस्तावेज, एक्सपायरी दवाएँ रखने, प्रिस्क्रिप्शन के बिना आदतन दवाएँ बेचने जैसे मामलों में सख्ती बरती जाएगी। जनता से अपील की गयी है कि केवल वैध और लाइसेंस प्राप्त मेडिकल स्टोर से ही दवाएँ खरीदें। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

पति से फोन पर झगड़े के बाद पत्नी ने मासूम को चूल्हे में झोंका, फिर फंदे से लटककर दी जान

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बभनी थाना क्षेत्र के जोबेदह आसनडीह गांव में एक महिला ने अपने 10 महीने के मासूम बेटे को जलते चूल्हे में झोंक दिया, जिससे वह तड़प-तड़पकर जिंदा जल गया। इसके बाद महिला ने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। गुरुवार सुबह जब परिजन जागे तो घर में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार, मृतका राजपति (25) बुधवार को ही अपने ससुराल छत्तीसगढ़ के ढेंगरपानी से मायके सोनभद्र आई थी। रात में उसने अपने पति से फोन पर बात की थी, इसी दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। गुस्से में राजपति ने पहले अपने छोटे बेटे को जलते चूल्हे में झोंक दिया और फिर खुद फांसी लगा ली।

सुबह जब परिजन उठे तो बरामदे में चूल्हे में मासूम का अधजला शव देखा। अंदर कमरे में जाकर देखा तो महिला फंदे से लटक

सोनभद्र में हुई दिल दहला देने वाली घटना

रही थी। यह दृश्य देखकर परिवार में चीख-पुकार मच गई। पड़ोसी भी मौके पर पहुंच गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष कमलेश पाल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि वारदात से पहले महिला की अपने पति से फोन पर कहासुनी हुई थी। इसी के बाद उसने यह कदम उठाया।

परिजनों के मुताबिक, राजपति का पति पतिराज मुंबई के कुर्ला इलाके में काम करता है। दोनों के बीच पिछले कुछ समय से अनबन चल रही थी। महिला का बड़ा बेटा हादसे के वक्त अपने मामा के साथ दूसरे कमरे में सोया था, जिससे उसकी जान बच गई।

महिला के पिता रामसुंदर ने बताया कि बेटी बुधवार को ही मायके आई थी। रात में सभी ने साथ में भोजन किया था और फिर अपने-अपने कमरों में सोने चले गए। देर रात यह भयावह घटना कैसे और कब हुई, किसी को पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। पति से फोन कॉल डिटेल निकलवाई जाएगी, ताकि वारदात से पहले की स्थिति स्पष्ट हो सके।

ट्रक और चार पहिया वाहन में सीधी भिड़ंत, मासूम एवं महिला सहित पांच घायल

◆ दो की हालत नाजुक, जिला अस्पताल रेफर

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। चार वाहन और ट्रक की सीधी भिड़ंत में पांच लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। जबकि दो की हालत गम्भीर बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार 30 वर्षीय अवनीश कुमार पांडेय पुत्र प्रेम प्रकाश पांडेय अपनी पत्नी 26 वर्षीय पूजा पांडेय 11 वर्षीय बेटे दिव्यांश एवं 5 वर्षीय देवांश अपने एक रिश्तेदार सत्यम शुक्ला पुत्र गुड्डु शुक्ला निवासी चक्र बर्धनी माहुल जनपद आजमगढ़ के साथ एक चार पहिया वाहन पर सवार होकर बुधवार की देर शाम शाहगंज खरीददारी करने आये थे।रात्रि करीब नौ बजे खरीद दारी करके सब वापस घर अपने घर जा रहे थे की रास्ते मे आजमगढ़ रोड स्थित काशीराम शहरी आवास कालोनी के पास खड़ी एक ट्रक को उसका ड्राइवर अचानक

मोड़ने लगा तभी उक्त वाहन आकर सीधी टकरा गई। जिससे चार पहिया वाहन बुरी तरह छतिग्रस्त हो गयी। और उसमें बैठे पांचों सवार घायल हो गए। आनन फानन में स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ केंद्र लाया गया।जहां सत्यम शुक्ला का प्राथमिक उपचार के बाद हालत गम्भीर देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाके हेतू जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जबकि दो मासूम और महिला और उसका पति का इलाज चल रहा है।

मामले की जानकारी होने पर प्रभारी निरीक्षक किरण कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जॉच पड़ताल शुरू की। घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक लेकर भागने में सफल रहा। जबकि पुलिस ने काफी दूर तक पीछा किया।मगर तब तक ट्रक बहुत दूर निकल चुका था।

यातायात माह के दौरान तिलकधारी सिंह इण्टर कालेज में जागरुकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में यातायात माह नवम्बर 2025 के दौरान तीलकधारी सिंह इण्टर कालेज, जौनपुर मे जागरुकता कार्यक्रम किया गया। साथ ही पुरे जनपद में यातायात नियमों के उलंघन मे प्रवर्तन की कार्यवाही में 901 वाहनों का चालान किया गया। आज दिनांक 13.11.2025 को पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में क्षेत्राधिकार यातायात, प्रभारी यातायात के द्वारा यातायात माह नवम्बर 2025 के दौरान तिलकधारी सिंह इण्टर कालेज, जौनपुर मे 500 बच्चों के माध्यम से यातायात जागरूकता कार्यक्रम, क्विज, संभाषण, रंगोली, चित्रकला, पोस्टर कला एवं नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता आयोजित किया गया। जौनपुर शहर में अभियान चलाकर लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर यातायात नियमों के बारे में जागरुक

किया गया। हेलमेट व सिटबेल्ट लगा करके वाहन चलाने, मोटर साइकिल में तीन सवारी ना बैठाना, हाई स्पीड वाहन न चलाना व वाहनों के शिशों में काली फिल्म न लगानें तथा उससे हो रही दुर्घटनाओं को कम करनें के बारे में जागरूक किया गया और साथ ही काली फिल्म लगाये वाहनों से काली फिल्म उतरवाया भी गया साथ ही पुरे जनपद में यातायात नियमों के उलंघन मे प्रवर्तन की कार्यवाही में 901 वाहनों का चालान किया गया। यातायात माह में दिनांकः13.11.2025 को की गयी प्रवर्तन की कार्यवाही, कुल चालान संख्या-901, बिना हेलमेट वाहन चलाना-650, बिना सीट बेल्ट वाहन चलाना-17, तीन सवारी वाहन चालाना- 51, यातायात नियमों का उल्लंघन- 11, मोबाइल से बात करते हुये वाहन चलाना-9 खराब/क्षतिग्रस्त नंबर प्लेट का प्रयोग-27, वाहन में काली फिल्म का प्रयोग-6, बिना डी0एल0 वाहन चलाना-14, वाहन में प्रेशर हॉर्न का प्रयोग- 2, ओवर स्पीड वाहन चलाना-5, नो पार्किंग-91, शेष अन्य धारा मे-18 का चालापन किया गया।

नायब तहसीलदार पर धनउगाही के आरोप से अधिवक्ताओं में रोष

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। तहसील शाहगंज के अधिवक्ताओं ने नायब तहसीलदार कस्बा पीयूष सिंह पर धनउगाही और विधि-विरुद्ध कार्यों के गंभीर आरोप लगाते हुए उनके न्यायालय का एक सप्ताह तक बहिष्कार करने का निर्णय लिया है।

एक सप्ताह तक शाहगंज बार ने किया न्यायालय का बहिष्कार, चेतावनी– व्यवहार न सुधरा तो बढ़ेगा आंदोलन

गुरुवार को अधिवक्ता समिति शाहगंज की एक आपात बैठक तहसील परिसर स्थित अधिवक्ता भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष लालचंद गौतम एडवोकेट ने की, जबकि संचालन महामंत्री राजीव कुमार सिंह डब्लू सिंह ने किया। बैठक पूर्व महामंत्री एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रवि प्रकाश श्रीवास्तव के प्रार्थना पत्र पर बुलाई गई थी। बैठक में अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि नायब तहसीलदार बहस के बाद भी आदेश नहीं देते, जबरन पत्रावली अपने पास लेकर आदेश जारी करते हैं, वादकारियों से सीधे संपर्क कर विधि-विरुद्ध धन वसूली करते हैं। अधिवक्ताओं ने ऐसे आचरण की कड़ी निंदा की और कहा कि यह न्यायिक प्रक्रिया की गरिमा के विपरीत है।

सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव में निर्णय लिया गया कि अधिवक्ता एक सप्ताह तक नायब तहसीलदार की अदालत में उपस्थित नहीं होंगे। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि उनके कार्य-व्यवहार में सुधार नहीं हुआ तो बहिष्कार अनिश्चितकालीन कर दिया जाएगा।

बैठक में रवि प्रकाश श्रीवास्तव, लालता प्रसादयादव,अमरेन्द्र सिंह गुड्डू, उमेन्द्र कुमार सिंह, महंत देव यादव, भारत यादव, समर बहादुर यादव, राजदेव यादव, अमरनाथ सिंह, राममगन, सुरेन्द्र बहादुर सिंह, अ.बी. सिंह,शारिक खान, कफील अहमद, राजीव श्रीवास्तव,अंकित सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

सिंगरामऊ पुलिस ने हत्या के अभियोग में वांछित 3 आरोपियों को मय आलाकतल के साथ किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सिंगरामऊ पुलिस टीम द्वारा हत्या के अभियोग में वांछित 03 आरोपीगण को मय आलाकतल के साथ गिरफ्तार किया गया। दिनाक 12.11.2025 को ग्राम कछौरा में जमीनी विवाद को लेकर हुए मारपीट में थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 --156/2025 धारा 191(2)/191(3)/ 118(1)/ 333/115(2)/352/351(2) बीएनएस हुआ जिसमे मारपीट में आयी चोटो के कारण मजरूबा केवला देवी पत्नी स्व0 सत्यदेव ग्राम कछौरा थाना सिंगरामऊ जनपद जौनपुर उम्र करीब 75 वर्ष की मृत्यू के उपरान्त धारा 103(1) बीएनएस की बढोत्तरी की गयी। प्रभारी निरीक्षक सिंगरामऊ के नेतृत्व में थाना सिंगरामऊ पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 --156/2025 धारा 103(1)/191 (2)/ 191(3)/118(1)/ 333/115(2)/ 352/351 (2) बीएनएस से सम्बन्धित वांछित आरोपीगण, सुधाशूं उर्फ सुनील पुत्र केदारनाथ यादव निवासी ग्राम कछौरा थाना सिंगरामऊ जौनपुर उम्र करीब 29 वर्ष, केदारनाथ यादव पुत्र जद्दू निवासी ग्राम कछौरा थाना सिंगरामऊ जौनपुर उम्र करीब 56 वर्ष, शिवानी पत्नी सुधाशूं उर्फ सुनील निवासी ग्राम कछौरा थाना सिंगरामऊ जौनपुर उम्र करीब 27 वर्ष को रजनीपुर हाईवे जौनपुर रोड पर बाईं तरफ सड़क के किनारे से को समय करीब 08.18 बजे मय घटना में प्रयुक्त आलाकतल के साथ गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

शिक्षक रामजनम मिश्रा का सेवा निवृत्ति समारोह 16 नवंबर को

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बृहन्मुंबई महानगर पालिका माध्यमिक शिक्षण विभाग के वरिष्ठ शिक्षक रामजनम बुद्ध देव मिश्रा आगामी 30 नवंबर 2025 को अपने 31 वर्ष 10 माह 13 दिनों की दीर्घ एवं उत्कृष्ट सेवाओं के उपरांत सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनके सम्मान में एक सेवा सम्मान समारोह एवं प्रीतिभोज का आयोजन किया गया है, जो रविवार, 16 नवंबर 2025 को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक महानगरपालिका माध्यमिक विद्यालय, राजडा नगर, बोरीवली (पश्चिम) में किया गया है। आयोजकों ने सभी शिक्षकों, सहकर्मियों, अभिभावकों तथा शुभचिंतकों से अपील किया है कि कार्यक्रम में उपस्थित होकर सफल बनाएं।

श्री मिश्रा ने अपने शिक्षकीय जीवन में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर प्रयास किया है। उनके सहकर्मी उन्हें एक अनुशासित, समर्पित और प्रेरणादायक शिक्षक के रूप में याद करते हैं।

इंडियन फिल्म एण्ड टेलीविजन अवाड्र्स के तीसरे सीजन की हुई घोषणा

मुंबई। किशन पांडेय 14 दिसंबर को मुंबई में आयोजित होने वाले साल 2025 के सबसे बड़े पुरस्कार समारोह इंडियन फिल्म एण्ड टेलीविजन अवाड्र्स के तीसरे सीजन की घोषणा कर दी गयी है। रविवार 9 नवंबर को मोक्सी होटल बाय मैरियट में मशहूर हस्तियों के बीच आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसके भव्य पोस्टर का अनावरण किया गया। इस अवसर पर आईआईएफटीए के संस्थापक और अध्यक्ष भैरू जैन और निधि समाजपति के साथ ही सह-संस्थापक और निदेशक राहुल हांडा, अभिनेता सलमान शेख, प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री महिमा गुप्ता, बिल्डर उस्मान लकड़ावाला और अंतर्राष्ट्रीय सेलिब्रिटी एंकर डॉ वैभव शर्मा, अभिनेत्री कीर्ति चौधरी, अभिनेत्री और मॉडल अर्शी मलिक, अभिनेत्री अनुप्रिया परमार, राजेंद्र गोंधिया, रजनीश मिश्रा, भावेश नाहर, जिशान अंसारी, लालूभाई जोशी और विक्रांत ने अपनी जोरदार उपस्थित दर्ज करायी। आयोजक भैरू जैन और निधि समाजपति ने कहा कि, हम अपने सभी प्रायोजकों और शुभचिंतकों को बधाई देते हुए हमारे ग्राफिक डिजाइनर भव्य जैन और अरहम ऑस्ट्रोलोजर भावना जैन को विशेष धन्यवाद देते हैं।

बोरीवली व्यापारी एसोसिएशन के मुकेश मेहता किए गए सम्मानित

बोरीवली, मुंबई। वरिष्ठ समाजसेवी एवं व्यवसायी मुकेश मेहता को उनकी उत्कृष्ट जन सेवाओं के लिए बोरीवली रेलवे पुलिस ने सम्मानित किया है। मुकेश मेहता ग्लोबल विकास ट्रस्ट के प्रोजेक्ट डायरेक्टर तथा बोरीवली व्यापारी एसोसिएशन के फाउंडर ट्रस्टी भी हैं। वे इनके अलावा भी अन्य कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं। बोरीवली रेलवे पुलिस स्टेशन के सीनियर पीआय दत्ता खुपेरकर ने पुलिस मित्र मुकेश मेहता को शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। संयोगवश उसी दिन उनका जन्मदिन भी था। मुकेश मेहता के सम्मान समारोह में बोरीवली डिवीजन के एसीपी संतोष धनवटे, सीनियर पीआय दत्ता खुपेरकर, पीआय सतीश शिंदे, एपीआय तरगे, एसआय नाईक, रमेश भाई ठक्कर, पंकज गंगर, वरुण भाई वसानी, खुशाल भाई गरोड, शांतिभाई सतरा, प्रकाश नंदू, अशोक पवार, बलवंत भाई, संजय रजक, अल्पेश मेहता तथा गजेंद्र गहलोत सहित अनेक व्यवसायी व समाजसेवी उपस्थित थे।

उम्र में आयत ने किया कुरान मुकम्मल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मियांपुर की सामाजिक संस्था मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित मदरसे में अब तक की सबसे कम उम्र में होली बुक कुरान को जो की अरबी भाषा में है उसे आयत ने मुकम्मल करके मदरसे का और अपने परिवार का नाम रोशन किया है। आयत ने महज 6 साल की उम्र में मुसलमान की पवित्र ग्रंथ कुरान को मुकम्मल किया है। इतनी कम उम्र में इस किताब को मुकम्मल करना किसी भी बच्चों के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस खुशी के मौके पर आयत के पिता जावेद ने उस्ताद मौलाना शाफे को तथा अन्य बच्चों सभी बच्चों में मिष्ठान वितरण किया। इस बात से खुश होकर मदरसा कमेटी की तरफ से बख्तियार आलम ने कहा कि आयत को बहुत जल्द पुरस्कृत किया जाएगा।

एण्टीरोमियो टीम द्वारा मिशन शक्ति अभियान के दौरान दो मनचले, बाल अपचारी गिरफ्तार

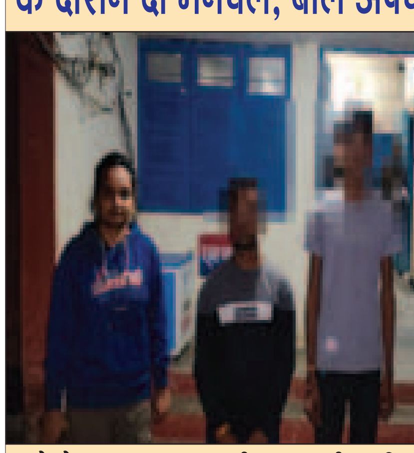

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सुरेरी एण्टीरोमियो टीम द्वारा मिशन शक्ति अभियान के दौरान 02 मनचलो/बाल अपचारी को किया गया गिरफ्तार ' प्रभारी निरीक्षक सुरेरी के नेतृत्व में थाना सुरेरी की एन्टी रोमियो टीम द्वारा दिनांक 12.11.2025 को कठवतिया पुल पर खड़े होकर 02 बाल अपचारी द्वारा स्कूली लड़कियों व रास्ते से जाने आने वाली बालिकाओ पर अश्लील शब्दो का प्रयोग व इशारा करके गाना गाने व महिलाओ पर छींटाकसी करने की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल एण्टीरोमियो टीम के साथ मौके पर पहुँच कर घटना की सत्यता की जानकारी किया गया तो उपरोक्त दोनों द्वारा रास्ते से आने जाने वाली महिलाओ के साथ छींटाकसी किया जाना पाया गया जिस पर तत्काल उनको गिरफ्तार कर मुकदमा पंजीकृत कर अग्रेतर कार्यवाही अमल में लायी गयी।

भाजपा मुंबई महामंत्री बनाए जाने पर आचार्य पवन त्रिपाठी को दी शुभकामनाएं

मुंबई। सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष, उत्तर भारतीय मोर्चा प्रभारी एवं मार्गदर्शक आचार्य पवन त्रिपाठी को भारतीय जनता पार्टी मुंबई का महामंत्री बनाए जाने पर भाजपा मुंबई कार्यालय में हर्ष का माहौल रहा। इस अवसर पर सुरेंद्र यादव (अध्यक्ष चांदीवली विधानसभा, उ.भा.मो.) ने श्री त्रिपाठी को पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक शुभेच्छा दी। कार्यक्रम में महानगर समाचार पत्र के चीफ एडिटर आदित्य दुबे, रामबिलास पाठक(मुंबई उपाध्यक्ष उभामो), सनद ओझा तथा अमित आर. सोनी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने आचार्य पवन त्रिपाठी को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त होगा।

गोवंश संरक्षण एवं भरण पोषण हेतु शासन दृढ़ संकल्पित : जिलाधिकारी

जिलाधिकारी ने जनपद के सभी किसानो से गोशाला में पराली दान करने की, की अपील

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में स्थापित स्थायी/अस्थायी गोआश्रय स्थलों में गोवंशों के संरक्षण एवं देखभाल हेतु जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी गोशालाओं में बरसीम, जई, सरसों सहित अन्य हरे चारे की बुवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे गोवंशों को आहार में पर्याप्त पोषण मिल सके और उनका स्वास्थ्य उत्तम बना रहे। उन्होंने पशु चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि गोवंशों के टीकाकरण, स्वास्थ्य परीक्षण एवं रोगों के उपचार की समुचित व्यवस्था करा ली जाए। ठंड के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी गोशालाओं में पराली बिछाने के साथ ही सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि ठंड से किसी भी गोवंश की मृत्यु न होने पाए – इसका विशेष ध्यान रखा जाए। गोशालाओं में ठंडी हवा से बचाव हेतु पर्दे लगाए जाएं, जिन्हें दिन में खोला जाए, तथा भूमि पर पराली बिछाई जाए जिससे गोवंशों को ठंड से बचाव हो सके। उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि खेतों से तथा दान के माध्यम से पराली संग्रह कर गोआश्रय स्थलों में संरक्षित कर लिया जाए। जिलाधिकारी ने जनपद में पूर्व में वृहद स्तर पर भूसा दान करने वाले सभी किसानों की प्रशंसा करते हुए उनका स्वागत व सम्मान करने के साथ ही सभी सम्मानित किसानों से गोशालाओं में अधिक से अधिक पराली दान करने की भी अपील की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सड़कों, राजमार्गों एवं खेतों में विचरण कर रहे अवशेष निराश्रित गोवंशों को गोआश्रय स्थलों में संरक्षित कराया जाए, आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए अन्यथा की दशा में उत्तरदाई कार्मिकों के विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि निराश्रित गोवंश संरक्षण एवं भरण पोषण हेतु शासन दृढ़ संकल्पित है, इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं होनी चाहिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में चार बदमाशों को लगी गोली

आजमगढ़। पुलिस को एक ही रात में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में अंतर्राज्यीय लूट, चोरी, छिनैती और ठगी में सक्रिय गिरोह के चार अपराधी घायल व गिरफ्तार किए गए हैं। इनमें से दो अपराधी कोतवाली क्षेत्र में और दो रानी की सराय थाना क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान पकड़े गए। सभी बदमाशों के खिलाफ आजमगढ़ सहित कई जनपदों में गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। जानकारी मुताबिक, शहर कोतवाली पुलिस टीम ने वंशी बाजार उकरौड़ाझककरहटा मार्ग पर घेराबंदी कर दो अपराधियों को पकड़ा। पुलिस को देखते ही अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में की गई कार्रवाई में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। गिरफ्तार अपराधियों में बिहार के बेगूसराय थाना क्षेत्र के नवाकोठी गांव निवासी विकास कुमार शाह और बिहार के खगड़िया थाना क्षेत्र के एकनिया गांव निवासी इंदल शामिल हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से तमंचा, कारतूस और अपाची मोटरसाइकिल बरामद की। दोनों के खिलाफ गाजीपुर, रायबरेली, कुशीनगर और आजमगढ़ में कई मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, दूसरी मुठभेड़ रानी की सराय थाने की पुलिस ने मझगांव कट के पास मुठभेड़ में दो बदमाशों को दबोचा। गोली लगने से घायल बिहार के खगड़िया निवासी विक्की कुमार और रानी की सराय थाना क्षेत्र के रितेश सोनकर को जिला अस्पताल भेजा गया। उनके पास से देशी पिस्टल, कारतूस, दो मोबाइल फोन, बाइक और नकदी बरामद की गई। विक्की कुमार के खिलाफ महराजगंज, कुशीनगर और आगरा में आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

152 संविदाकर्मियों की छंटनी पर बनारस में गरजे बिजलीकर्मी

सुरेश गांधी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। बिजली के निजीकरण के खिलाफ बनारस के बिजलीकर्मियों का आंदोलन गुरुवार को 351वें दिन भी जारी रहा। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के बैनर तले आयोजित प्रदर्शन में बिजलीकर्मियों ने एक बार फिर ऊर्जा प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए और चेतावनी दी कि अगर संविदाकर्मियों की छटनी नहीं रोकी गई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान संघर्ष समिति ने बताया कि नगरीय विद्युत वितरण मण्डल-द्वितीय वाराणसी में आगामी 1 दिसंबर से लागू होने वाले नए टेंडर में 641 संविदाकर्मियों में से 152 को बाहर करने की योजना है। समिति का कहना है कि इससे न केवल कर्मचारियों का भविष्य संकट में पड़ेगा बल्कि शहर की बिजली व्यवस्था भी चरमरा जाएगी। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि समिति का प्रतिनिधिमंडल हाल ही में पावर कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक से मिला था, जिन्होंने वर्ष 2023 में निकाले गए संविदाकर्मियों को रिक्त पदों पर अनुभव के आधार पर रखने का आश्वासन दिया था। इसके बावजूद अब नए टेंडर में कर्मचारियों की संख्या घटाई जा रही है। इस सूचना के बाद मछोदरी, कज्जाकपुरा, इमिलियाघाट और पहड़िया क्षेत्रों में काम कर रहे कर्मियों में गहरा आक्रोश है। कई कर्मियों ने कहा कि हमने पूरी उम्र इस विभाग को दी, अब इस उम्र में दूसरी नौकरी मिलना नामुमकिन है। परिवार का गुजारा कैसे चलेगा? वक्ताओं ने कहा कि इस तरह की छंटनी दरअसल बिजली व्यवस्था को कमजोर कर निजीकरण की पृष्ठभूमि तैयार करने की साजिश है। समिति ने याद दिलाया कि पिछले वर्ष मण्डल प्रथम में 150 संविदाकर्मियों की छंटनी के बाद गर्मी के दिनों में बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई थी। ऊर्जा मंत्री ने तब स्वयं कहा था कि संविदाकर्मियों को निकालकर मुझे बदनाम करने की साजिश चल रही है और कर्मचारियों की बहाली के निर्देश दिए थे। समिति का कहना है कि यदि वाराणसी मण्डल-द्वितीय में भी यही गलती दोहराई गई तो मछोदरी, मैदागिन, टाउनहॉल, कोनिया, जैतपुरा, सारनाथ, शिवपुर और भोजूबीर समेत कई क्षेत्रों की बिजली व्यवस्था पूरी तरह ठप हो सकती है।

संघर्ष समिति ने प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में मात्र 1.18 लाख बिजलीकर्मी ही 30 करोड़ से अधिक आबादी को बिजली आपूर्ति और राजस्व वसूली की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें निजीकरण का तोहफा दिया जा रहा है। नेताओं ने कहा कि कर्मचारी आज 12-12 घंटे ड्यूटी कर रहे हैं, फिर भी प्रबंधन उनकी सेवा समाप्त करने पर तुला है। समिति ने चेताया कि यदि बिजली व्यवस्था चरमराती है, तो इसकी जिम्मेदारी पूरी तरह ऊर्जा प्रबंधन की होगी। संघर्ष समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने कहा कि रिस्ट्रक्चरिंग के नाम पर राजधानी लखनऊ और मेरठ में भी कई पद समाप्त किए गए, जिससे वहां की बिजली व्यवस्था ध्वस्त हो गई। उन्होंने बताया कि मेरठ में लागू यह प्रयोग पूरी तरह असफल रहा है, जिस पर विधानसभा की प्राक्कलन समिति के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने भी पावर कॉरपोरेशन को फटकार लगाई थी। शैलेन्द्र दुबे ने कहा कि यदि प्रबंधन अनुभवहीन गैर-तकनीकी लोगों के भरोसे बिजली व्यवस्था चलाने की कोशिश करेगा, तो इसके दुष्परिणामों की जिम्मेदारी स्वयं लेनी होगी।

कर्मचारियों ने कहा कि बार-बार फील्ड में काम कर रहे इंजीनियरों और संविदाकर्मियों पर दोष मढ़ना बंद होना चाहिए। ऊर्जा विभाग में निर्णय ऊपर से लिए जाते हैं, जबकि संकट का सामना मैदान में काम कर रहे कर्मियों को करना पड़ता है, संघर्ष समिति के नेताओं ने कहा। संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया कि यदि छंटनी पर रोक नहीं लगी, तो बनारस से लेकर लखनऊ तक हजारों बिजलीकर्मी सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे। सभा को ई.एस.के. सिंह, अंकुर पाण्डेय, जसवंत कुमार, प्रवीण सिंह, बृज सोनकर, पंकज कुमार, बृजेश कुमार, धर्मेन्द्र यादव, एस.के. सरोज, रंजीत पटेल, धनपाल सिंह, योगेंद्र कुमार, चंद्रशेखर कुमार और सन्नी कुमार समेत कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

जौनपुर इंस्टाग्राम पर हुआ इश्क शादीशुदा महिला छोटे बेटे को लेकर प्रेमी संग फरार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के जफराबाद क्षेत्र के बसीरपुर गांव से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां की एक शादीशुदा महिला इंस्टाग्राम पर हुए प्रेम संबंध के चलते अपने प्रेमी संग घर से फरार हो गई। महिला अपने दो बच्चों में से छोटे बेटे को भी साथ ले गई है। इंस्टाग्राम पर हुआ प्यार, शादीशुदा महिला दो बच्चों में से एक को लेकर रियाजुल की जानकारी के अनुसार, बसीरपुर गांव निवासी हिपी लाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी पुत्री सीता देवी की शादी बदलापुर क्षेत्र में हुई थी। उसके दो बेटे हैं। बड़ा बेटा लगभग नौ वर्ष का और छोटा पांच वर्ष का है। हाल ही में सीता देवी मायके आयी हुई थी। तहरीर के अनुसार, कुछ दिन पूर्व पड़ोस के एक व्यक्ति के लड़की का देवर शिवम कुमार निवासी इनामीपुर थाना बदलापुर आया था। इसी दौरान सीता देवी और शिवम कुमार के बीच इंस्टाग्राम के माध्यम से प्रेम संबंध विकसित हो गए। कुछ ही दिनों बाद, 25 सितंबर को सीता देवी अपने प्रेमी शिवम कुमार के साथ छोटे बेटे को लेकर घर से लापता हो गई। परिवार का कहना है कि सीता का पति अब भी उसके लौटने की उम्मीद में इंतजार कर रहा है। वहीं, मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ला ने बताया कि महिला बालिग है। तहरीर प्राप्त हो चुकी है, और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। मामले में उचित कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

विक्रोली में अखिल पार्क साइट सेवा संघ द्वारा रक्तदान शिविर

मुंबई। नवंबर महीने में मुंबई मनपा अस्पताल और सभी ब्लड बैंकों में रक्त की कमी का सामना करना पड़ता है। इसी पृष्ठभूमि में, अखिल पार्क साइट सेवा संघ ने रविवार, 16 नवंबर को छत्रपति शिवाजी महाराज मैदान पार्क साइट, विक्रोली (पश्चिम) में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया है, यह जानकारी सेवा संघ के प्रमुख सुनील काजरोलकर ने दी है। अखिल पार्क साईट सेवा संघ का यह इस 16वें वर्ष का 28वां रक्तदान शिविर है। यह रक्तदान शिविर रविवार, 16 नवंबर को सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित किया जाएगा। राजावाड़ी अस्पताल, सर जेजे महानगर रक्त केंद्र और केईएम अस्पताल, बाबू जगजीवन राम हॉस्पिटल ब्लड बैंक इस शिविर के लिए रक्त संग्रह बैंक हैं। हालाँ कि अखिल पार्क साइट सेवा संघ द्वारा 48 किलो वजन की महिलाओं और 18 से 65 वर्ष की आयु के इच्छुक पुरुष रक्तदाताओं, जिनका वजन 45 किलो या उससे अधिक हो तो भी उनसे इस रक्तदान शिविर में योगदान देने की अपील की गई है।

पीएनबी की पीएनबी वन के जरिए एनपीएस वात्सल्य खाता खोलने की पेशकश

मुंबई। बाल दिवस के अवसर पर सार्वजनिक क्षेत्र में देश के अग्रणी बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने एनपीएस वात्सल्य खातों को आसानी से खोलकर उनका प्रबंधन पीएनबी वन के माध्यम से किए जाने की घोषणा करता है। यह सुविधा ग्राहकों को एनपीएस वात्सल्य और एनपीएस दोनों खाते ऑनलाइन खोलने और उनकी सदस्यता लेने के लिए सक्षम बनाती है, जिससे माता-पिता के लिए एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से हर बच्चे के भविष्य की योजना बनाना सरल और अधिक सुलभ हो जाता है। यह डिजिटल पहल पेंशन जागरूकता को मजबूत करने और डिजिटल बैंकिंग सुविधा को बढ़ाने के लिए पीएनबी के

निरंतर प्रयासों को रेखांकित करती है, जिससे परिवारों को आर्थिक रूप से सुरक्षित भविष्य के लिए आत्मविश्वास के साथ निवेश करने में मदद मिलती है। पीएनबी के जीएम बीए एंड आरएम, सुधीर दलाल ने कहा, इस बाल दिवस पर, हम हर बच्चे के सुरक्षित भविष्य के अधिकार की रक्षा के लिए एक कदम आगे बढ़ा रहे हैं। अब पीएनबी वन पर एनपीएस वात्सल्य की सुविधा के साथ, माता-पिता अपनी अगली पीढ़ी के लिए वित्तीय स्वतंत्रता और समावेशन के हमारे दृष्टिकोण को पूरा करते हुए, अपने बच्चों की वित्तीय यात्रा की योजना डिजिटल रूप से बना सकते हैं।

निर्यात संवर्धन मिशन बनेगा भारतीय कालीन उद्योग का टर्निंग प्वाइंट

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग ने केंद्र सरकार द्वारा बजट 2025-26 में घोषित निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) का स्वागत करते हुए इसे देश के श्रम-प्रधान निर्यात क्षेत्रों के लिए ऐतिहासिक पहल बताया है। कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) ने कहा है कि इस मिशन से भदोही, मिजार्पुर और आसपास के बुनकरी केंद्रों में लगे लाखों कारीगरों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा, साथ ही भारत के पारंपरिक कालीन उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में निर्णायक बढ़त हासिल होगी। सीईपीसी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वित्त मंत्रालय तथा वस्त्र मंत्रालय की दूरदर्शी नीतियों और निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। सरकार का यह कदम भारत के कला-आधारित ग्रामीण उद्योगों को आत्मनिर्भर और वैश्विक प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। भदोही, मिजार्पुर और वाराणसी के कारीगरों के लिए यह केवल एक नीति नहीं, बल्कि नई उम्मीद की डोर है–जो भारत की परंपरा, परिश्रम और प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर फिर से चमकाने जा रही है।

सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 से 2030-31 तक के लिए 25,060 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ यह मिशन शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य विशेष रूप से एमएसएमई, पहली बार निर्यातकों और श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए भारत के निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र को और सशक्त बनाना है। सीईपीसी के अध्यक्ष श्री कुलदीप राज वट्टल ने कहा यह मिशन हमारे उद्योग के लिए एक निर्णायक क्षण है। लंबे समय से हमारे निर्यातकों को खंडित समर्थन और ऊँची बाधाओं का सामना करना पड़ता रहा है। अब एकीकृत और डिजिटल रूप से सक्षम ढाँचे के साथ, भारत के हस्तनिर्मित कालीन वैश्विक प्रतिस्पर्धा में नई पहचान बनाएंगे। ईपीएम के अंतर्गत दो एकीकृत उप-योजनाएँ रखी गई हैं– 1. निर्यात प्रोत्साहनः सस्ती व्यापार वित्त उपलब्ध कराने पर केंद्रित। 2. निर्यात दिशाः गुणवत्ता सुधार, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, व्यापार मेले में भागीदारी, वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स जैसी गैर-वित्तीय सक्षमताएँ प्रदान करना। सीईपीसी ने कहा कि ये दोनों योजनाएँ लंबे समय से परिषद द्वारा सुझाए गए विकास रोडमैप के अनुरूप हैं और कालीन क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं–सीमित व्यापार वित्त, उच्च अनुपालन लागत और अंतरराष्ट्रीय बाजार पहुंच की कमी–का समाधान करेंगी। भारत सरकार द्वारा वस्त्र और श्रम-प्रधान उद्योगों को प्राथमिकता क्षेत्र के रूप में मान्यता देना हस्तनिर्मित कालीन उद्योग के लिए राहत और प्रोत्साहन दोनों का संकेत है। यह उद्योग अत्यधिक श्रम-प्रधान है और देशभर में करीब 20 लाख बुनकरों और कारीगरों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार देता है। वट्टल ने कहा यह कदम न केवल निर्यातकों बल्कि हमारे ग्रामीण कारीगरों के लिए भी बड़ा संबल है। सरकार की यह सोच ह्यमेक इन इंडिया को वास्तविक अर्थों में क्राफ्ट इन इंडिया में बदल रही है।

ईपीएम का डिजिटल कार्यान्वयन ढाँचा विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के नेतृत्व में तैयार किया गया है। इससे कालीन निर्यातकों को नीतिगत प्रोत्साहनों, वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण सुविधाओं तक त्वरित, पारदर्शी और एकीकृत पहुंच मिलेगी। सीईपीसी ने उम्मीद जताई है कि यह प्लेटफॉर्म छोटे और मझोले निर्यातकों को सशक्त बनाते हुए भारत के कालीन उद्योग को वैश्विक स्तर पर नई पहचान देगा। सीईपीसी ने कहा कि परिषद सरकार और उद्योग जगत के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेगी कि मिशन के लाभ भदोही, मिजार्पुर, वाराणसी और आसपास के कालीन समूहों में लगे कारीगरों तक निर्बाध रूप से पहुँचें। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि नीतिगत लाभ केवल कागज पर नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर उन हाथों तक पहुँचे जो असल में भारत की हस्तकला का भविष्य बुनते हैं। श्री कुलदीप राज वट्टल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हाल ही में हुई बैठक का भी उल्लेख किया।

उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान सीईपीसी ने हस्तनिर्मित कालीन उद्योग की चुनौतियाँ और तत्काल राहत उपायों की आवश्यकता रखी थी। उन्होंने कहा हमारे उद्योग को वैश्विक बाजार की चुनौतियों से निपटने के लिए नीतिगत और वित्तीय सहायता की दरकार है।

यह मिशन उसी दिशा में सरकार के प्रतिबद्ध दृष्टिकोण का परिणाम है। सीईपीसी को विश्वास है कि निर्यात संवर्धन मिशन भारत के हस्तनिर्मित कालीन उद्योग को न केवल निर्यात वृद्धि बल्कि वैश्विक ब्रांड पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाएगा। यह पहल भारतीय कारीगरों की सृजनात्मकता, गुणवत्ता और परंपरा को विश्व बाजार में नई ऊँचाइयाँ दिलाने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

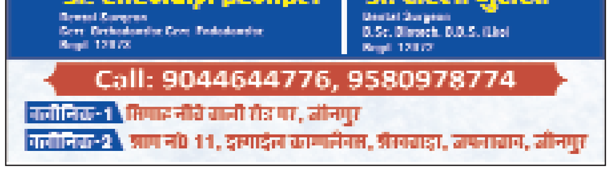

अभिनव त्रिपाठी ने प्रभाग 13 से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में ठोकी दावेदारी

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर में महानगर पालिका चुनाव को लेकर प्रत्याशियों की सुगबुगाहट अब तेज हो रही है। यहां पर देखा जा रहा है कि सभी पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने प्रभाग में नगरसेवक के टिकट पाने के लिए नाना प्रकार के तौर तरीके अपना रहे हैं। हालांकि यह चुनाव पैनल के अंतर्गत होने वाला है। कहां जा रहा है कि मीरा भायंदर शहर में उत्तर भारतीयों का भारी संख्या में आबादी है, इसको लेकर शहर में चर्चाएं हो रही है, हालांकि जादा तौर लोगों का कहना है, कि मीरा भायंदर शहर में अच्छा काम और विकास के लिएं नगरसेवकों का परिवर्तन होना चाहिये। लेकिन अब आगे देखना होगा कि, पाटीयां किसको टिकट दे रही है किसको नहीं। यह तो पाटीयों का तय करना है। यह रही पाटीयों की बात। लेकिन अब इस अवसर पर अभिनव त्रिपाठी ने प्रभाग 13 से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपना दावेदारी ठोक रहे हैं। हालांकि त्रिपाठी ने पार्टी एवं समाजीक अस्तर पर अपना जिम्मेदारी निभाते हुए बहुत अच्छा काम करते आ रहे हैं। इसी को देखते हुए अभिनव त्रिपाठी को प्रभाग 13 से भारी संख्या में भरपूर जन समर्थन मिल रहा है। समाज के बीच में रहने वाले अभिनव त्रिपाठी ने कहा कि आप सभी का भरोसा और साथ चाहिए, मैं अपने प्रभाग को बेहतर बनाना चाहता हूं और आप सभी लोगों को आपके अधिकार प्राप्त हो इसके लिए आप सबका साथ चाहिए। परिवर्तन की गारंटी कोई झूठा न वादा होगा युवाओं पर भरोसा परिवर्तन बेमिसाल होगा। आगे उन्होंने कहा कि आप उन्हें चुनो जिन्हें आप जानते हो और जो आपके 5 साल आपके प्रभाग में हमेशा उपस्थित हो, उन्हें नहीं चुनो जो चुनाव के पहले कुछ दिन दिखे और चुनाव के बाद कभी ना दिखे। सोच आपका वोट आपका नया परिवर्तन मांग रहा है प्रभाग हमारा।

47वें जमनालाल बजाज पुरस्कार समारोह में गांधीवादी विभूतियों को किया सम्मानित

मुंबई। आज मुंबई में 47वें जमनालाल बजाज फाउंडेशन पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया। इन पुरस्कारों के जरिये उन व्यक्तियों को सम्मानित किया गया, जिनके प्रभावशाली कार्यों में गांधीवादी आदर्शों और जनकल्याण के मूल सिद्धांतों की झलक दिखाई देती है। आज आयोजित वार्षिक पुरस्कार समारोह के दौरान मुख्य अतिथि परम पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज; जमनालाल बजाज फाउंडेशन के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के अध्यक्ष, श्री शेखर बजाज, फाउंडेशन के ट्रस्टी एवं अध्यक्ष डॉ. आर. ए. माशेलकर और फाउंडेशन की सलाहकार परिषद के सदस्यगण तथा गणमान्य हस्तियों की मौजूदगी में चारों पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता, श्री कैलाश सत्यार्थी भी इस फाउंडेशन के ट्रस्टी हैं। इन पुरस्कारों की शुरूआत के बाद से, हर साल श्री जमनालाल बजाज की जयंती के उपलक्ष्य में फाउंडेशन की ओर से जनकल्याण के कार्यों और गांधीवादी रचनात्मक कार्यक्रमों में अहम योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाता है। हर पुरस्कार विजेता को समाज के उत्थान के लिए निःस्वार्थ भाव से और सच्ची लगन से किए गए कार्यों के सम्मान में एक प्रशस्ति-पत्र, एक ट्रॉफी और नकद पुरस्कार दिया जाता है। पहली बार फाउंडेशन के ट्रस्टी, स्वर्गीय श्री मधुर बजाज की अनुपस्थिति में यह पुरस्कार समारोह आयोजित हुआ, जिनका अप्रैल 2025 में निधन हो गया था और इस अवसर पर उनकी याद में कुछ पल का मौन रखा गया। फाउंडेशन के मिशन के प्रति उनका अटूट समर्पण आने वाले समय में भी मार्गदर्शन करता रहेगा। जमनालाल बजाज फाउंडेशन के संस्थापक रामकृष्ण बजाज की सौवीं जयंती के उपलक्ष्य में, वर्ष 2023 में प्रत्येक श्रेणी के लिए पुरस्कार राशि को 10,00,000 से बढ़ाकर 20,00,000 (अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए विदेशी मुद्रा में इसके बराबर बढ़ोतरी) कर दिया गया, और उनकी स्मृति में बढ़ाई गई इस पुरस्कार राशि को वर्ष 2025 में भी जारी रखा जाएगा। फाउंडेशन के संस्थापक रामकृष्ण बजाज की सौवीं जयंती के सम्मान में पुरस्कार राशि में यह वृद्धि की गई है, जिससे जाहिर है कि फाउंडेशन गांधीवादी मूल्यों और सामाजिक उन्नति के लिए जमनालाल बजाज के आजीवन समर्पण को आगे बढ़ाने के इरादे पर अटल है। इस अवसर पर जमनालाल बजाज फाउंडेशन के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के अध्यक्ष, शेखर बजाज ने कहा, जमनालाल बजाज फाउंडेशन पुरस्कार, हर साल ऐसे लोगों की असाधारण कहानियों को दुनिया के सामने लाने का माध्यम है, जो आज की दुनिया में निःस्वार्थ भाव से सेवा करते हुए गांधीवादी सिद्धांतों को आगे बढ़ाते हैं। इस साल के पुरस्कार विजेताओं ने समुदायों में बदलाव लाने के साथ-साथ लोगों के बीच करुणा और रचनात्मक कार्यों के प्रति गहरे समर्पण को भी बढ़ावा दिया है। उनकी उपलब्धियों के सम्मान के इस अवसर पर हम स्वर्गीय मधुर बजाज को भी याद करते हैं, जिनका सादगी भरा मार्गदर्शन और फाउंडेशन के उद्देश्य में गहरा विश्वास इसकी आगे की राह का अभिन्न अंग बना हुआ है। सलाहकार परिषद के अध्यक्ष, डॉ. आर. ए. माशेलकर ने कहा, ₹हमारे सभी पुरस्कार विजेता आज के जमाने के सत्याग्रही हैं। वे अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनने वाले ऐसे योद्धा हैं, जो लड़ाई-झगड़े से नहीं, बल्कि दयालुता की भावना से काम लेते हैं। उन सभी ने यह साबित कर दिखाया है कि, अगर दिल में इरादा मजबूत हो तो अंधेरे की जगह रोशनी और निराशा की जगह उम्मीद की किरण जगाई जा सकती है।

राशि वितरण में सुस्ती से पंचायतों के विकास बाधित

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार के सिवान जिले के पंचायतों को स्मार्ट और आत्मनिर्भर बनाने के दावे जमीनी हकीकत से दूर दिखाई दे रहे हैं। सरकार जहां पंचायतों को तकनीकी रूप से सशक्त और पारदर्शी बनाने की दिशा में लगातार योजनाएं चला रही है, वहीं वित्तीय संसाधनों को समय पर उपलब्धता न होने से अधिकांश विकास कार्य ठप पड़े दिख रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, पंचायती राज व्यवस्था के तहत 15वें वित्त आयोग की अनटाइड योजना के वित्तीय वर्ष 2025-26 की राशि नवंबर माह में आवंटित की गई थी। इसके तहत पंचायत समितियों को राशि आवंटित की गई हैं। इस कारण स्थानीय स्तर पर कई विकास परियोजनाओं का क्रियान्वयन अधर में लटका हुआ है। ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल केवल अनटाइड मद के तहत ही राशि जारी की गई है, जबकि टाइड मद की राशि अब तक आवंटित नहीं हुई है। यह स्थिति न केवल विकास योजनाओं की गति को धीमा कर रही है, बल्कि पंचायतों में कार्यान्वयन की प्रक्रिया पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा कर रही है। जानकारी के मुताबिक, पंचायतों में 15वें वित्त आयोग के तहत स्वच्छता, जल संरक्षण, सड़क मरम्मत, सामुदायिक भवन निर्माण, एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन जैसी कई योजनाएं पहले से ही लंबित हैं। फंड की कमी और विलंबित आवंटन के कारण ए परियोजनाएं प्रारंभ नहीं हो पा रही है या अधूरी पड़ी हैं। पंचायतों को स्मार्ट बनने का सपना तभी साकार हो सकेगा, जब योजनाओं के लिए आवंटित फंड समय पर पहुंचे और उसका उपयोग सही दिशा में हो। फिलहाल पंचायतें स्मार्ट बनने की राह में फंड की देरी की बड़ी बाधा से जूझ रही हैं।

एएनयूएस महिला महाविद्यालय में 19 से होगी इंटर टेस्ट की परीक्षा

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय के अनुग्रह नारायण उमाशंकर सिंह महाविद्यालय मे इंटर के परीक्षार्थियों की सेंटअप टेस्ट परीक्षा 19 नवंबर से शुरू होगी। इसकी जानकारी महिला महाविद्यालय की प्रभारी प्रचार मनोज कुमार सिन्हा ने दी। प्राचार्य ने बताया कि सेंटर परीक्षा लेने के लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। इंटर में कला, वाणिज्य व विज्ञान के परीक्षार्थियों का सेंटअप टेस्ट लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि परीक्षार्थियों को सभी संबंधित जानकारी दे दी गई है। सेंट अप टेस्ट में सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा में भाग लेना आवश्यक है। सेंटर टेस्ट की परीक्षा में शामिल नहीं होने वाले परीक्षार्थी को बोर्ड के मेन परीक्षा में प्रवेश पाने से वंचित कर दिया जाएगा।

बेटों से स्वर्ग मिलने की बात निरर्थक है : प्रेमभूषण महाराज

कानपुर (उत्तरशक्ति)। आओ गायें रामकथा घर घर में इस आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के व्यासत्व में राकेश मिश्र द्वारा आजाद नगर स्थित पं. दीनदयाल सनातन धर्म विद्यालय प्रांगण में 8 नवम्बर से आयोजित नौ दिवसीय रामकथा में प्रेमभूषण महाराज ने श्रोताओं से कहा कि, ममता केवल माँ और भगवान में होती है।इनका प्रेम निःस्वार्थ होता है और जिसे कर्तव्यबोध हो जाता है उसे ही प्रेम भी प्राप्त होता है। सच्चा प्रेम अपने प्रेम को खोने से डरता है इसलिए सर्वकाल सशंकित रहता है।

रामजन्मोत्सव प्रसंग के आश्रय में कथा गायन करते हुए प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि बेटों के जन्म पर उत्सव मनाना और बेटियों के जन्म पर दुःखी हो जाना यह समाज की विडंबना है। बेटों से स्वर्ग मिलने की बात भी निरर्थक है, किसी को मिला हो तो आकर बताये। समाज को इससे बाहर निकलना चाहिए। वास्तविकता तो यह है कि पुत्र जीवन में झंझट उत्पन्न करते हैं और बेटियाँ तप स्वरूप होती हैं ये जीवन का सम्हार करती हैं इन्हें कमतर आँकने की गलती ना करें ₹ऑपरेशन सिन्दूर इसका ज्वलंत उदाहरण है जिसे बेटियों ने पूरा कर दिखाया है। रामजन्मोत्सव,नामकरण, विद्या अध्ययन के बाद राम-लक्ष्मण आसुरी शक्तियों के विनाश के लिए अयोध्या से गुरु विश्वामित्र के संग प्रस्थान करते हैं।ताड़का,सुबाहु वध, अहिल्या उद्धार प्रसंग के बाद प्रेमभूषण महाराज की रामकथा मिथिला में प्रवेश करती है। प्रेमभूषण महाराज ने माता सीता की जनस्थली मिथिला को पावन पुरी बतलाते हुए कहा कि मिथिला के लोग भक्त, गुणी और ज्ञानी हैं। मिथिला जोड़ने की भूमि है तोड़ने की नही।लोग भगवान का दर्शन करने अन्य तीर्थ क्षेत्रों में जाते हैं लेकिन मिथिला की पावन भूमि का दर्शन करने भगवान स्वयं पहुँचे मिथिला गये, इसलिए मिथिला पवित्र है, धन्य है वंदनीय है।मिथिला का स्नेह,प्रेम, आत्मीयता और आतिथ्य आज भी अद्भुत और अपरिवर्तनी है।मिथिला में नियम नही चलता यह नेह पुरी है और जहाँ नेह होता है वहाँ नेम नही चलता।

दिल्ली आतंकवादी हमले में जान गंवाने वालों को करंजाड़े शिवसेना द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

नवीं मुंबई(उत्तरशक्ति)। छत्रपति शिवाजी महाराज चौक, करंजाड़े (पनवेल) में बुधवार शाम को शिवसेना की तरफ से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें शिव सैनिकों एवं नागरिकों की तरफ से दिल्ली लाल किले के बाहर हुए आतंकवादी हमले का तीव्र विरोध किया गया और उसमें जान गंवाने वालों के प्रति दो मिनट मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि दी गई एवं मोमबत्ती जलाकर निषेध व्यक्त किया गया। इस अवसर पर महानुभावों ने आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए हमले के विरोध में विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आतंकी हमले का कड़ा विरोध होना चाहिए और जो दोषी हैं उनको कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। सरकार को कड़े कदम उठाना चाहिए ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न होने पाएं। इस अवसर पर शिवसेना जिला अध्यक्षा मेघा दमडे, पनवेल तालुका प्रमुख उत्तर भारतीय सेल सी.पी.प्रजापति, शहर प्रमुख अंजू सिंह , संपर्क प्रमुख अर्चना सिद्धूक, वडघर शहर प्रमुख समाधान परदेसी, शाखा प्रमुख सेक्टर- 4 राजू नलावडे, शाखा प्रमुख सेक्टर- 6 दिनेश धामनस्कर सहित अनेक शिवसेना सदस्य एवं नागरिक उपस्थित थे।

एडवेंट होटल्स इंटरनेशनल ने की एनएसई और बीएसई पर प्रस्तावित लिस्टिंग की घोषणा

मुंबई। एडवेंट होटल्स इंटरनेशनल लिमिटेड भारत में प्रमुख उच्च-मांग वाले सूक्ष्म बाजारों में लक्जरी और उच्च-स्तरीय होटलों के एक प्रमुख मालिक ने 13 नवंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) और बीएसई लिमिटेड पर अप-ो इक्विटी शेयरों की प्रस्तावित लिस्टिंग की घोषणा की। यह लिस्टिंग एक समर्पित आतिथ्य मंच के रूप में एडवेंट की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो बाजार की दृश्यता, मौजूदा शेयरधारकों के लिए तरलता और भविष्य के विकास का समर्थन करने के लिए एक मजबूत पूंजी संरचना को सक्षम बनाता है। वैलोर एस्टेट लिमिटेड (पूर्व में डीबी रियल्टी लिमिटेड) से अलग होकर एडवेंट होटल्स इंटरनेशनल अब भारत भर में प्रमुख होटल परिसंपत्तियों के विकास, स्वामित्व और प्रबंधन के लिए एक केंद्रित रणनीति के साथ स्वतंत्र रूप से काम करता है। विभाजन के बाद कंपनी का संचालन उसके अपने बोर्ड और प्रबंधन दल द्वारा किया जाता है। एडवेंट होटल्स इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रमोटर निदेशक अरशद बलवा ने कहा कि एडवेंट होटल्स इंटरनेशनल की लिस्टिंग एक संस्थागत रूप से संचालित और पूँजी-कुशल आतिथ्य मंच के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को पुष्ट करती है। हम एक सुव्यवस्थित, परिचालन की दृष्टि से उत्कृष्ट होटल मंच के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो दीर्घकालिक शेयरधारक मूल्य सृजन पर केंद्रित है। एडवेंट होटल्स इंटरनेशनल के प्रबंध निदेशक और सीईओ राहुल पंडित ने कहा कि यह लिस्टिंग एडवेंट होटल्स इंटरनेशनल के लिए एक निर्णायक क्षण है, क्योंकि हमारा लक्ष्य भारत के सबसे प्रशंसित आतिथ्य प्लेटफार्मों में से एक का निर्माण करना है।

मनोरंजन के माध्यम से विज्ञान: नई पीढ़ी के लिए ज्ञान का एक नया अध्याय

मंत्री प्रताप सरनाईक ने मीरा भायंदर में विज्ञान केंद्र का उद्घाटन किया

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर में हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आर्ट गैलरी में आज एक नए युग की शुरूआत हुई है। महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री और धाराशिव जिले के पालकमंत्री प्रताप सरनाईक की उपस्थिति और प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक, निमार्ता एवं अभिनेता मंगेश देसाई के शुभ हाथों से आज विज्ञान केंद्र का उद्घाटन बड़े ही उत्साह के साथ हुआ, आज के विज्ञान युग में बच्चों की कल्पनाशीलता को प्रोत्साहित करने, उनकी जिज्ञासा को दिशा देने और शिक्षा व मनोरंजन का संगम बनाने वाला यह विज्ञान केंद्र मीरा भायंदर शहर के लिए एक बेहतरीन शिक्षाप्रद उपहार बन गया है। ज्ञान और मनोरंजन का अद्भुत संयोजन। विज्ञान केंद्र का निर्माण मनोरंजन से विज्ञान की ओर यात्रा की अभिनव अवधारणा पर आधारित है। इस केंद्र की स्थापना नई पीढ़ी को विज्ञान के आकर्षण को सहजता से समझाने और विज्ञान को डरावना बनाने के बजाय रोमांचक बनाने के उद्देश्य से की गई है। इस केंद्र में विभिन्न अत्याधुनिक डिजिटल और एआई-आधारित गतिविधियां शुरू की गई हैं। इस विज्ञान केंद्र में एक इसरो टाइमलाइन जोन बनाया गया है, जहाँ भारत की अंतरिक्ष यात्रा के गौरवशाली इतिहास, इसरो की स्थापना से लेकर आज तक की हर सफलता की कहानी का डिजिटल अनुभव लिया जा सकता है। ग्रेविटी इंस्टॉलेशन जोन, एआई-आधारित अनुभव के माध्यम से सौरमंडल के नौ ग्रहों और प्रत्येक ग्रह पर आपका गुरुत्वाकर्षण बल क्या है। के बारे में अद्भुत जानकारी प्रकट करेगा। इंटरैक्टिव ज्ञान क्षेत्रः विज्ञान प्रयोगों और प्रौद्योगिकी प्रस्तुतियों को इस तरह से प्रस्तुत करना जिससे बच्चे खेल-खेल में सीख सकें। इस अवसर पर परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा, आज की पीढ़ी डिजिटल है और अगर हमें उससे संवाद करना है, तो विज्ञान और तकनीक सबसे प्रभावी तरीका है। इस विज्ञान केंद्र से बच्चों की शिक्षा में रुचि बढ़ेगी और भविष्य के वैज्ञानिक, इंजीनियर और शोधकर्ता यहीं पैदा होंगे। मीरा भायंदर शहर में इस पहल से शिक्षा के क्षेत्र में एक नए युग की शुरूआत हुई है। यह मनोरंजन से लेकर विज्ञान तक, हर बच्चे तक ज्ञान का प्रकाश पहुँचाने का एक प्रयास है। इस अवसर पर प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक, निमार्ता और अभिनेता मंगेश देसाई ने कहा, यह विज्ञान केंद्र रचनात्मकता, मनोरंजन और ज्ञान का एक सुंदर मिश्रण प्रस्तुत करता है।

महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी लिमिटेड ने 3 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री का आंकड़ा पार किया

मुंबई। महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी लिमिटेड (एमएलएमएमएल) ने अब तक 3 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के साथ भारत की अग्रणी कमर्शियल ईवी निमार्ता के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत किया है। एमएलएमएमएल भारत की पहली ओईएम (मूल उपकरण निमार्ता) कंपनी है जिसने यह उपलब्धि हासिल की है। इस उपलब्धि के जरिये कंपनी ने सतत परिवहन और नवाचार के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित किया है। कंपनी के पास भारत का सबसे व्यापक इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहन पोर्टफोलियो है, जिसमें Treo range, Zor Grand, e-Alfa थ्री-व्हीलर और महिंद्रा ZEO फोर-व्हीलर शामिल हैं। इन सभी ईवी ने मिलकर अब तक 5 बिलियन किलोमीटर से अधिक दूरी तय की है, जिससे 185 किलो मीट्रिक टन से ज्यादा CO_2 उत्सर्जन रोका गया – जो पर्यावरण पर 43 लाख से अधिक पेड़ लगाने के बराबर प्रभाव डालता है। ईवी क्षेत्र पर शुरूआती ध्यान और लास्ट माइल मोबिलिटी के विद्युतीकरण के प्रति सतत प्रयासों के माध्यम से, एमएलएमएमएल विभिन्न साझेदारों के साथ मिलकर एक मजबूत ईवी ईको सिस्टम विकसित कर रहा है, जिससे ग्राहक अपनाने की दर में लगातार वृद्धि हो रही है।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के एयरोस्पेस बिजनेस ने एल110 स्टेज विकास इंजन डिलीवर किया

मुंबई। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के एयरोस्पेस बिजनेस ने घोषणा की है कि उसने लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम्स सेंटर (LPSC, इसरो) को पहला मानव-रेटेड एल110 स्टेज विकास इंजन डिलीवर किया है, जो भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के समर्थन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह उपलब्धि स्वदेशी विनिर्माण उत्कृष्टता के प्रति गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप की दृढ़ प्रतिबद्धता और अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए भारत के 'मेक इन इंडिया' विजन में इसके योगदान को रेखांकित करती है। LVM3 गगनयान लॉन्च व्हीकल, जिसे इसरो ने विकसित किया है, एक मानव-रेटेड प्रक्षेपण यान है, जो भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है। इस मिशन में, क्रू मॉड्यूल (गगनयान कैप्सूल) नियोजित प्रयोग पूरे करने के बाद पृथ्वी के वायुमंडल में सुरक्षित रूप से पुनः प्रवेश करेगा। मानेक बहरामकामदीन, कार्यकारी उपाध्यक्ष और बिजनेस हेड, एयरोस्पेस बिजनेस, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने कहा, यह न केवल गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के लिए एक मील का पत्थर है, बल्कि अपार राष्ट्रीय गौरव का विषय भी है।

चुनाव के बाद मांगलिक आयोजनों में आएगी तेजी ज्योतिषाचार्य

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार विधानसभा चुनाव के मतदान के बाद अब शादी-विवाह सहित अन्य मांगलिक कार्यों में तेजी आएगी। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज के ज्योतिष शिरोमणि धनंजय द्विवेदी ने बताया कि देवउठनी एकादशी के बाद से शादी-विवाह का शुभ मुहूर्त शुरू है। लेकिन विधानसभा चुनाव के कारण मांगलिक कार्यों में तेजी नहीं आ रही थी। चातुर्मास के दौरान चार महीने की योग निंद्रा से श्री हरि भगवान विष्णु दो नवंबर को जागे हैं। पूरा नवंबर और दिसंबर माह के पहले 10 दिन शादी विवाह के लग्न-मुहूर्त हैं। सूर्य के धनु राशि में प्रवेश के साथ ही खरमास शुरू होता है। इस वर्ष पौष कृष्ण पक्ष एकादशी 16 दिसंबर को धनु की संक्रांति लग रही है। इस समय सूर्य मूल नक्षत्र में होंगे। इस दिन से खरमास शुरू हो रहा है। आमतौर पर शादी-विवाह आदि मांगलिक कार्य खरमास के दौरान नहीं होता है। लेकिन इस वर्ष शुक्र ग्रह के खरमास के पहले 12 दिसंबर को अस्त होने से शादी-विवाह का आयोजन थम जाएगा।

विधानसभा चुनाव 2025 के मतदान में एक भी री-पोल नहीं

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार विधानसभा चुनाव 2025 ने इस बार इतिहास बना दिया है। चुनाव आयोग के अनुसार राज्य में हुए दो चरणों के मतदान में किसी भी बूथ पर दोबारा वोटिंग की जरूरत नहीं पड़ी। आयोग से प्राप्त जानकारी के अनुसार पूरे चुनावी प्रक्रिया में कहीं भी गड़बड़ी, हिंसा या धांधली जैसी कोई शिकायत नहीं मिली। यह बिहार के चुनावी इतिहास में पहली बार है जब पूरे राज्य में इतने बड़े स्तर पर चुनाव हुए और री-पोल की नौबत नहीं आई। प्राप्त आयोग के अधिकारियों से जानकारी के अनुसार पूरे बिहार में 243 सीटों पर 67.13% वोटिंग के साथ 70 साल का रिकॉर्ड टूटा है। बताया जाता है कि यह रिकॉर्ड 1951 से अब तक कभी नहीं टूटा था। पुरुष वोटर्स का टर्नआउट 62.98 प्रतिशत, जबकि महिला मतदाताओं का हिस्सा 71.78 प्रतिशत रहा। यानी महिलाओं ने एक बार फिर मतदान में पुरुषों को पछाड़ दिया। आयोग ने इसे बिहार के लोकतांत्रिक जागरूकता का बड़ा उदाहरण बताया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दूसरे चरण की सभी 122 सीटों की जांच पूरी होने के बाद, कहीं भी गड़बड़ी मिलने की सूचना नहीं है। दूसरे चरण में 11 नवंबर को जिन 122 विधानसभा क्षेत्रों में वोटिंग हुई थी, वहां की मतगणना और दस्तावेजों की जांच बेहद शांति से संपन्न हुई है।

पीएनबी की पीएनबी वन के जरिए एनपीएस वात्सल्य खाता खोलने की पेशकश

मुंबई। बाल दिवस के अवसर पर सार्वजनिक क्षेत्र में देश के अग्रणी बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने एनपीएस वात्सल्य खातों को आसानी से खोलकर उनका प्रबंधन पीएनबी वन के माध्यम से किए जाने की घोषणा करता है। यह सुविधा ग्राहकों को एनपीएस वात्सल्य और एनपीएस दोनों खाते ऑनलाइन खोलने और उनकी सदस्यता लेने के लिए सक्षम बनाती है, जिससे माता-पिता के लिए एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से हर बच्चे के भविष्य की योजना बनाना सरल और अधिक सुलभ हो जाता है। यह डिजिटल पहल पेंशन जागरूकता को मजबूत करने और डिजिटल बैंकिंग सुविधा को बढ़ाने के लिए पीएनबी के निरंतर प्रयासों को रेखांकित करती है, जिससे परिवारों को आर्थिक रूप से सुरक्षित भविष्य के लिए आत्मविश्वास के साथ निवेश करने में मदद मिलती है। पीएनबी के जीएम बीए एंड आरएम, सुधीर दलाल ने कहा, इस बाल दिवस पर, हम हर बच्चे के सुरक्षित भविष्य के अधिकार की रक्षा के लिए एक कदम आगे बढ़ा रहे हैं।

दहिसर टोल प्लाजा को अस्थायी रूप से स्थानांतरित: प्रताप सरनाईक

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर के प्रवेशद्वार पर वर्षों से यातायात की समस्या का मुख्य कारण बने दहिसर टोल प्लाजा को अंततः अस्थायी रूप से स्थानांतरित कर दिया गया है। महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री एवं धाराशिव जिले के पालकमंत्री एवं स्थानीय विधायक प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक के निरंतर अनुसरण, दृढ़ रुख और दृढ़ प्रयासों के कारण यह ऐतिहासिक निर्णय आज साकार हुआ है। मंत्री सरनाईक ने इस अवसर पर स्पष्ट किया कि दो अतिरिक्त लेन बढ़ाने का निर्णय नागरिकों को राहत प्रदान करने और यातायात को सुगम बनाने के लिए लिया गया है। अतः अब शहर के नागरिकों को लंबे समय से हो रही यातायात समस्या का काफी हद तक समाधान हो गया है। दहिसर टोल प्लाजा पर ठेकेदार की मनमानी, अवैध पार्किंग, बड़े-बड़े होर्डिंग्स और अनियंत्रित प्रबंधन के कारण नागरिकों को हर दिन ट्रैफिक जाम से जूझना पड़ रहा था। इस पूरी स्थिति का जायजा लेते हुए, मंत्री सरनाईक ने स्वयं घटनास्थल का निरीक्षण किया और तत्काल आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। लगातार कार्रवाई के बाद, दहिसर टोल प्लाजा को अंततः अस्थायी रूप से स्थानांतरित कर दिया गया है। इस बारे में बोलते हुए, मंत्री प्रताप सरनाईक कहते हैं, जब मैं कोई वादा करता हूँ, तो उसे पूरा करता हूँ। मैंने कहा था कि 13 नवंबर को टोल बूथ स्थानांतरित कर दिए जाएँगे, और आज मैंने यह साबित कर दिया। हम शब्दों में नहीं, बल्कि काम में विश्वास करते हैं। नागरिकों के कल्याण के लिए काम करना हमारी और शिवसेना की परंपरा है। शिवसेना जो कहती है, वह करती है, और हमने वह किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि टोल प्लाजा का आधा हिस्सा स्थानांतरित कर दिया गया है और शेष भाग भी जल्द ही स्थानांतरित कर दिया जाएगा। मुंबई नगर निगम आयुक्त भूषण गगरानी, एमएसआरडीसी और एनएचएआई अधिकारियों द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार, मुंबई जाने वाली सड़क पर दो और लेन जोड़ी जाएँगी, जिससे नागरिकों को यातायात की भीड़ से पूरी तरह राहत मिलेगी।

विपक्ष के तंजों पर मंत्री सरनाईक का कड़ा जवाब, मैं बातों में नहीं, कर्म में विश्वास रखता हूँ और मैंने जो वादा किया था, उसे पूरा किया है। हाथी चला गया, लेकिन पूँछ बाकी है, लेकिन जब तक काम पूरा नहीं होगा, हम रुकेंगे नहीं। नागरिकों की पीड़ा दूर होने तक लड़ाई जारी रहेगी। दहिसर टोल प्लाजा के स्थानांतरण से मीरा भायंदर शहर के यातायात को नई संजीवनी मिली है। नागरिकों की उम्मीदों पर खरा उतरने वाला यह फैसला शिवसेना की कार्यशैली और दृढ़ संकल्प का स्पष्ट प्रमाण है।

क्राइम ब्रांच सेल 4 ने चल रही अवैध शराब फैक्ट्री पर छापा मारकर लाखों का माल नष्ट किया

विरार (उत्तरशक्ति)। विरार में 12 नवंबर 2025 को गोपनीय मुखबिर के माध्यम से अपराध खुलासा शाखा सेल 4 की टीम को सूचना मिली कि लहांगे पाड़ा समाज मंदिर, बरफ पाड़ा, विरार पूर्व के पास एक खेत में अवैध रूप से ग्रामीण हाथ भट्टी द्वारा शराब का उत्पादन किया जा रहा है। उपरोक्त गोपनीय सूचना के आधार पर, लहांगे पाड़ा समाज मंदिर, बरफ पाड़ा, विरार पूर्व के पास एक खेत में छापा मारा गया। इसमें 1,53,000/- रुपये का माल बरामद किया गया, जिसमें 1 केमिकल मिला हुआ 3000 लीटर नवसागर रसायन शीरा 2) 25 लीटर ग्रामीण हाथ भट्टी शराब और ग्रामीण हाथ भट्टी शराब बनाने के उपकरण शामिल हैं। महिला आरोपी के खिलाफ सरकार की ओर से अपराध खुलासा शाखा, सेल 4 के पी.ओ. एयर संदीप लक्ष्मण शेरमाले द्वारा विरार पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। इस संबंध में विरार पुलिस थाने में महाराष्ट्र मद्य निषेध अधिनियम, 1949 की धारा 65 (बी) (सी) (डी) (एफ) (ई) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उपरोक्त कार्य निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, दत्तात्रय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, संदीप डोईफोडे, पुलिस उपायुक्त अपराध, मदन बल्लाल, छठे पुलिस आयुक्त, अपराध शाखा, के मार्गदर्शन में अपराध शाखा सेल -1, काशीमीरा, पो. प्रमोद बदाख, सपोनी प्रशांत गंगुर्डे, दत्तात्रय सरक, सफौ संतोष मदने, पो. हवा शिवाजी पाटिल, पो. हवा धनंजय चौधरी, पो. हवा संदीप शेरमल, मपोहया सुप्रिया तिवाले, ये सभी अपराध प्रकटीकरण शाखा से कारवाई किया गया।

रेगुलर डिग्री जैसा ही होगा ऑनलाइन व डिस्टेंस डिग्री घर बैठ कर सकते हैं

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज सिवान द एडमिशन लिंक के माध्यम से कैरियर मैटर अर्जुन सिंह ने बताया कि यूजीसी स्पष्ट कर दिया है कि अगर किसी ने डिस्टेंस या ऑनलाइन मोड में डिग्री हासिल की है तो उसकी डिग्री को रेगुलर डिग्री जैसा ही मान्यता दी जाएगी । जहां से वह डिग्री हासिल कर रहा है उसकी मान्यता यूजीसी के मानकों के अनुसार होनी चाहिए। ऐसा होने से अब उन स्टूडेंट को बड़ी टेंशन खत्म हो गई जो ओपन डिग्री हासिल करने को लेकर असमंजस में थे। यूजीसी की अधिसूचना में बताया गया कि ओपन डिस्टेंस या ऑनलाइन मोड में हासिल की गई, हायर एजुकेशन डिग्री को रेगुलर संस्थाओं द्वारा दी जाने वाली डिग्री के बराबर ही मान्यता दी जा रही है। यूजीसी ने स्पष्ट कर दिया है की डिग्री को यह मान्यता ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन दोनों ही लेवल पर है। दरअसल कई सारी सेंट्रल यूनिवर्सिटी द्वारा ओपन डिग्री दी जाती है। आमतौर पर इन यूनिवर्सिटीज द्वारा ऑफर किए जाने वाले कोर्सेज में वह स्टूडेंट एडमिशन लेते हैं जो काम के साथ-साथ पढ़ाई पूरी करना चाहते हैं। मेंटर अर्जुन सिंह की माने तो द एडमिशन लिंक के साथ देश के ग्रेड ए, देश के टॉप 10 मान्यता प्राप्त दर्जन यूनिवर्सिटी काम कर रही है। इससे बिहार के छात्रों को कहीं से भी नामांकन लेकर अपनी पढ़ाई को जारी रख सकते हैं।

ठाणे के प्रीमियम रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट में घर खरीदने वाले परेशान

ठाणे। ठाणे के बळकुम में प्रीमियम रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट में निवेश करने वाले सैकड़ों परिवार अब अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें दिए गए वादे पूरी तरह पूरे नहीं किए गए। खरीदारों का कहना है कि परियोजना में प्रस्तावित इस्कॉन मंदिर, गुरुकुल, लर्निंग सेंटर और खुली जगह जैसी सुविधाएं पूरी नहीं हुई हैं या घटा दी गई हैं, जिससे निवासी निराश और वित्तीय रूप से प्रभावित हैं। घर खरीदारों का दावा है कि मंदिर की ओर वाले फ्लैट प्रीमियम दर पर बेचे गए थे, लेकिन नए निर्माण के कारण अब इन फ्लैटों का मंदिर का दृश्य अवरुद्ध हो जाएगा। कई परिवारों ने इन फ्लैटों को इस वजह से खरीदा था ताकि उनके बच्चों को परिसर में ही गुरुकुल शिक्षा और धार्मिक सुविधाएं मिल सकें। पिरामल वाइकुंथ में हमने बिल्डर के वादों और प्रमोशनल मैटीरियल पर भरोसा किया। ब्रॉशर में 2.75 एकड़ के मंदिर का वादा किया गया था, लेकिन वास्तव में इस्कॉन को केवल 1 एकड़ में ही मंदिर प्रबंधित करने की अनुमति दी गई है, कहा एक निवासी रोहित शर्मा ने, जो पिछले साल इस परियोजना में आए थे। नई टावरों के बनने से सैकड़ों और परिवार परिसर में जुड़ेंगे, जिससे आबादी का असंतुलन और भी बढ़ जाएगा। कई निवासियों ने निर्माण गुणवत्ता और पानी रिसाव जैसी समस्याओं की भी शिकायत की है। निवासियों ने हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है और बिल्डर को अपनी शिकायतें सौंपकर तात्कालिक कार्रवाई की मांग की है। घर केवल चार दीवारें नहीं हैं, यह भरोसे का वादा है। और यह वादा टूट गया है, एक अन्य निवासी ने कहा। यह मामला रियल एस्टेट सेक्टर में मजबूत निगरानी और पारदर्शिता की आवश्यकता को उजागर करता है, ताकि खरीदारों की उम्मीदों और बिक्री के समय किए गए वादों का सम्मान हो सके।